E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 39 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, शनिवार 22 अगस्त, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

राजस्थान विधानसभा सत्र : सदन के बाहर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, मटके और पोस्टरों से सरकार पर निशाना

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा के बाहर शक्ति प्रदर्शन किया। विधायक हाथों में पोस्टर लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान ओएमआर शीट घोटाला, छात्रसंघ चुनाव, प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतीक्षा सूची के नियम और प्रसूताओं की मौत जैसे मुद्दे उठाए गए। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य सरकार पर ढाई साल के कार्यकाल में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार वास्तविक जनसमस्याओं पर जवाब देने के बजाय वंदे मातरम् सहित दूसरे मुद्दों के जरिए जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस विधानसभा के भीतर सरकार से जनहित के मुद्दों पर जवाब मांगेगी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष को जनता की आवाज उठाने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी विधानसभा के बाहर गेट पर विपक्ष को रोका जाता है तो कभी सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर दबाव बनाया जाता है। मटके के जरिए सरकार पर तंज कसते हुए जूली ने कहा कि ढाई साल में ही सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को सदन के अंदर और बाहर मजबूती से उठाती रहेगी। वहीं, भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कांग्रेस के प्रदर्शन को राजनीतिक दिखावा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास सरकार को घेरने के लिए ठोस मुद्दे नहीं हैं और वह विधानसभा के बाहर प्रदर्शन कर माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। गोठवाल ने कहा कि सरकार हर मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार है और विपक्ष को सदन में आकर चर्चा करनी चाहिए। इधर, भारत आदिवासी पार्टी (BAP) के विधायकों ने भी शिक्षा और बेरोजगारी के मुद्दे पर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। विधायक हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे। विधायक जयकृष्ण पटेल ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने और बेरोजगार युवाओं के लिए फर्स्ट ग्रेड भर्तियों में अलग से आरक्षण की मांग उठाई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों को जनता के मुद्दे उठाने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। जूली ने विधानसभा के बाहर मटके के जरिए सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि ढाई साल के कार्यकाल में ही सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी विधानसभा के गेट पर विपक्षी विधायकों को रोकने की कोशिश होती है तो कभी सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देकर दबाव बनाया जाता है। जूली ने कहा कि कांग्रेस सदन के भीतर और बाहर जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी। कांग्रेस के प्रदर्शन पर भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने पलटवार किया। गोठवाल ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक मुद्दे पर सदन में जवाब देने के लिए तैयार है।

महिला एशिया कप 2026 के लिए यूएई और थाईलैंड टीम का ऐलान

दुबई। महिला एशिया कप 2026 के लिए यूएई की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हो गया है। 28 अगस्त से दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर ईशा ओझा को सौंपी गई है। मेजबान टीम को ग्रुप बी में बांग्लादेश, इंडोनेशिया और मौजूदा चैंपियन श्रीलंका के साथ रखा गया है। यूएई अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को श्रीलंका के खिलाफ करेगी, इसके बाद 4 सितंबर को इंडोनेशिया और 8 सितंबर को टीम की भिड़ंत बांग्लादेश से होगी। टूर्नामेंट के सभी मैच फ्लडलाइट्स में खेले जाएंगे और स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होंगे। दो सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर को खेले जाने हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। यह पहली बार है जब यूएई इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। यूएई और थाईलैंड दोनों ने जून में मलेशिया में आयोजित 2026 एसीसी प्रीमियर महिला कप के जरिए मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज तीर्थ सतीश के साथ-साथ समैरा धरनिधरका, वैष्णवी महेश और इंदुजा नंदकुमार जैसी नियमित खिलाड़ी शामिल हैं।

जयपुर में CJP कार्यकर्ताओं पर हमला, भाजपा-कांग्रेस में आरोप-प्रत्यारोप

जयपुर। जयपुर के बगरू क्षेत्र में सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रवक्ता आशुतोष रांका और अन्य कार्यकर्ताओं पर ग्रामीणों द्वारा मारपीट और पथराव किए जाने का मामला सामने आया है। घटना रामपुरा-कंवरपुरा गांव की राजकीय प्राथमिक स्कूल में हुई। विरोध के दौरान CJP कार्यकर्ताओं की गाड़ियों के शीशे भी तोड़े गए और एक वॉलंटियर के घायल होने का दावा किया गया है।

CJP संयोजक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि हमलावर भाजपा कार्यकर्ता थे और सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति सामने लाने से रोकने के लिए टीम पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि टीम को स्कूल के खराब हालात और बुनियादी सुविधाओं की कमी की जानकारी मिली थी। टीम इसी की पड़ताल के लिए मौके पर पहुंची थी। CJP प्रवक्ता आशुतोष रांका ने घटना के बाद भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि स्कूल की वास्तविक स्थिति सामने लाने की कोशिश को दबाया जा रहा है। उन्होंने हमलावरों की गिरफ्तारी और स्कूल निरीक्षण रोकने के आदेश को वापस लेने की मांग की। रांका ने मांगें पूरी नहीं होने पर 48 घंटे बाद प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी। बेढम ने कहा कि कांग्रेस जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने और विधानसभा की कार्यवाही बाधित करने का प्रयास कर रही है।

छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग पर विधानसभा घेराव की कोशिश, पुलिस-छात्रों में धक्का-मुक्की

जयपुर। छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर शुक्रवार को बड़ी संख्या में छात्र 22 गोदाम पुलिया के पास जुटे और विधानसभा की ओर कूच करने का प्रयास किया। पुलिस ने तीन लेयर बैरिकेडिंग लगाकर छात्रों को रोक दिया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने छात्र नेता नीरज खीचड़ समेत तीन छात्र नेताओं को हिरासत में लिया। इसके बाद अन्य छात्रों को भी मौके से हटा दिया गया। छात्र नेताओं ने छात्रसंघ चुनाव को छात्रों का अधिकार बताते हुए चुनाव बहाल नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। छात्रों ने करीब 10 दिन पहले 21 अगस्त तक छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग रखी थी और मांग पूरी नहीं होने पर विधानसभा घेराव का ऐलान किया था। इसी आह्वान पर प्रदेशभर से छात्र जयपुर पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्र कांवड़ लेकर भी पहुंचे और छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर भगवान शिव से अरदास की। छात्रों ने सरकार से जल्द चुनाव बहाल करने की मांग दोहराई। विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने छात्र नेताओं को हिरासत में लिया। पुलिस ने छात्र नेता नीरज खीचड़ समेत तीन छात्र नेताओं को हिरासत में लिया, जबकि बाद में अन्य प्रदर्शनकारी छात्रों को भी मौके से हटाया गया। छात्र नेताओं ने करीब 10 दिन पहले सरकार को छात्रसंघ चुनाव बहाल करने के लिए 21 अगस्त तक का समय दिया था। मांग पूरी नहीं होने पर विधानसभा घेराव करने की चेतावनी दी गई थी। इसी घोषणा के तहत शुक्रवार को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में छात्र जयपुर पहुंचे। छात्र नेताओं ने चुनाव बहाल होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

UCC विधेयक पेश, विपक्ष के हंगामे और बॉयकॉट के बीच विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे और बॉयकॉट के बीच सरकार ने राजस्थान समान नागरिक संहिता (UCC) विधेयक-2026 सदन में पेश किया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधेयक को सदन के पटल पर रखा। विधेयक पर तत्काल चर्चा नहीं हुई और इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा में विधेयक को पुरस्थापित किए जाने के बाद अब निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगामी चरण में इस पर चर्चा होने की संभावना है। सरकार का कहना है कि सभी पक्षों को विधेयक पर अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलेगा। इसी दौरान राजस्थान माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक-2026 भी उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी ने सदन में रखा। विपक्ष ने UCC विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए सदन से बॉयकॉट किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि सरकार अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहती है, जबकि बेरोजगारी, शिक्षा, किसानों, युवाओं और अन्य जनसमस्याओं पर चर्चा से बच रही है। कांग्रेस विधायकों ने इन मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए सदन की कार्यवाही से दूरी बनाई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन के प्रवेश को लेकर चल रहे विवाद पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पैदल आने वाले विधायकों के लिए गेट नंबर-6 से प्रवेश की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि सामूहिक रूप से गेट से प्रवेश की अनुमति पहले भी नहीं थी और अब भी नहीं है। अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से नियमों और संसदीय मर्यादाओं का पालन करते हुए सदन में जनता के मुद्दे उठाने की अपील की। प्रस्तावित UCC विधेयक में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और लिव-इन संबंधों से जुड़े मामलों में समान कानूनी प्रावधान किए जाने का प्रस्ताव है। विवाह का 60 दिन के भीतर पंजीकरण, बहुविवाह पर रोक, तलाक एवं भरण-पोषण की समान व्यवस्था तथा बेटे-बेटी को संपत्ति में समान उत्तराधिकार देने जैसे प्रावधान बताए गए हैं। लिव-इन संबंधों के पंजीकरण और उससे जुड़े अधिकारों के लिए भी प्रावधान प्रस्तावित हैं।

अनुसूचित जनजातियों और संविधान के तहत संरक्षित पारंपरिक अधिकारों वाले वर्गों को इसके दायरे से बाहर रखने का प्रावधान बताया गया है। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव साफ नजर आया। सरकार ने विपक्ष से सदन की कार्यवाही में सहयोग की अपील की, वहीं कांग्रेस ने जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा नहीं होने का आरोप लगाया। UCC विधेयक पर अब आगामी विधानसभा चरण में होने वाली चर्चा पर सभी की नजर रहेगी। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने विधेयक को विधानसभा के पटल पर रखा।

पद्म-श्री अभिनेत्री सौकार जानकी का शनिवार को बेसेंट नगर में होगा अंतिम संस्कार

चेन्नई। पद्म-श्री पुरस्कार विजेता और दक्षिण भारत की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक, सौकार जानकी का अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर को किया जाएगा। उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण शुक्रवार दोपहर 2 बजे उनका निधन हो गया था। एक्ट्रेस के पोते-दामाद अरविंद ने मीडिया को बताया कि दिग्गज स्टार के परिवार के सभी सदस्य उन्हें आखिरी श्रद्धांजलि देने के लिए चेन्नई में उनकी मां के घर पहुंच गए हैं और एक्ट्रेस का अंतिम संस्कार शनिवार को बेसेंट नगर श्मशान घाट में किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आम लोग शनिवार सुबह से श्रद्धांजलि दे सकते हैं और हमारी योजना देर दोपहर तक अंतिम संस्कार करने की है।' सौकार जानकी, जिनका असली नाम शंकरमंची जानकी था, का जन्म 12 दिसंबर, 1931 को हुआ था। पद्म-श्री पुरस्कार विजेता ने कई बेहतरीन फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। दिवंगत एक्ट्रेस के परिवार में उनके तीन बच्चे, चार पोते-पोतियां और चार परपोते-परपोतियां हैं।

हम पश्चिम एशिया में हो रहे डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं : भारतीय विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किए के बीच हुए त्रिपक्षीय रक्षा समझौते में बांग्लादेश के शामिल होने की इच्छा जताने पर भारत ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रहा है। हाल में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किए के बीच एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौता हुआ है। अब बांग्लादेश ने भी इस पैक्ट में शामिल होने की इच्छा जाहिर की है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हम पश्चिम एशिया में हो रहे डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं।' भारत में पाकिस्तान के उच्चायोग के बाहर से 20 अगस्त को अनधिकृत ढांचे, ट्रैफिक बोलार्ड और सुरक्षा बैरिकेड्स हटा दिए गए। रणधीर जायसवाल ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, 'हमारे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नेपाल गए थे।

इस्तीफे की मांग पर शिक्षा मंत्री दिलावर का पलटवार, बोले- बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान बर्दाश्त नहीं

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई में किसी भी तरह का व्यवधान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बगरू की घटना का जिक्र करते हुए दिलावर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने स्कूल में जाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई में किसी तरह की बाधा स्वीकार नहीं करेंगे। दिलावर ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजस्थान में भी इसी तरह का माहौल बनाने का प्रयास कर रही है, लेकिन प्रदेश की जनता जागरूक है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और प्रगति हो रही है। उन्होंने विपक्ष से राजनीति करने के बजाय शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सकारात्मक सुझाव देने और वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करने की अपील की। दिलावर ने बगरू की घटना का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने स्कूल में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों ने उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार नहीं करेंगे और सरकार भी विद्यार्थियों की शिक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। शिक्षा मंत्री ने विपक्ष से राजनीति करने के बजाय शिक्षा व्यवस्था से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष के पास शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए कोई सकारात्मक सुझाव हैं तो सरकार उन पर विचार करने के लिए तैयार है। दिलावर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर बनाना है। ऐसे में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय सभी पक्षों को मिलकर शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने और स्कूलों में बेहतर माहौल तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अपने इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार के लिए काम कर रही है।

उभरती तकनीकों को सुलभ, किफायती और भरोसेमंद बनाए रखने के लिए मजबूत वैश्विक सहयोग की जरूरत

नई दिल्ली। नई तकनीकें तरक्की के नए मौके तो बनाती हैं, लेकिन इनोवेशन को सुलभ, किफायती, भरोसेमंद और टिकाऊ बनाए रखने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत होती है। यह बातें केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को 14वीं ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) मंत्रिस्तरीय बैठक में कही। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, डॉ. सिंह ने ब्रिक्स सहयोगियों से कहा कि वे अत्याधुनिक रिसर्च, इनोवेशन के लिए फंडिंग, टैलेंट की आवाजाही, रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर साझा करने, स्टार्टअप पार्टनरशिप और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग के लिए व्यावहारिक रास्ते अपनाएं। उन्होंने कहा कि इस तरह का सहयोग एक ऐसा भविष्य-उन्मुख ब्रिक्स एसटीआई (साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन) ढांचा बनाने में मदद कर सकता है जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो और 'ग्लोबल साउथ' की आकांक्षाओं का समर्थन करे। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक पहुंच के बारे में बताया।

संपादकीय

राजेंद्र राठौड़
राजपूताना के नाम
जब राजपूताना की चर्चा होती है तो वीरता तपस्या का इतिहास
राजस्थान के कण कण में वीरता का दिग्दर्शन दिमाग में आता है।
वतन पर मत कितना राजपूत की फ्राटम
बच्चा जिगर में बारूद ले कर पैदा होता है
सौ साल पहले गग केनाल बना कर रियासत में अमूल चल परिवर्तन
राजा ने दूसरे राजा पर हमल किया तो सबसे पहले खजाने ले कब्जा किया
पश्चिम बंगाल में विधानसभा का इंचार्ज था वहां की इकोनॉमी में कारवाड़ की दखल है
पिया। गये रंगून वहां से आया है टेलीफोन वो भी मारवाड़ के लड़के की बात है
बिड़ला मित्तल बगाड आदि सबके यहां से निकले अपने पुरुषार्थ से छा गए
बहता पानी शुद्ध होता है
आज इस समय में व्यापार सीमा में बंधा नहीं है।
ऑनलाइन बिज़नेस ने व्यापार की मुहिम और तरीके बदल दिए
ऐसे समय में अनुभव साझा करने के लिए ये मंच अच्छा है।हमें इतिहास में राजपुत्र कहा गया यानि राज करने वाले लेकिन राज चले गए तो हम रजपुत्र यानी धरती पुत्र हो गए
आज एआई के जमाने में जब लोग प्रतिस्पर्धा और व्यापार बदलता है इसमें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
ढाबे से निकल कर कोई व्यक्ति यहां तक पहुंच सकता है तो ये मेघराज सिंह जी ने सहकार से किया एक सबके लिए सब एक के लिए
हजारों की संख्या में परिवार पालते हैं न जाने किसी किस्मत आगे बढ़ा दे
आज जहां हम खड़े हैं
राजस्थान निवेश की दृष्टि से देशनमें तीसरे स्थान पर था
गंग नहर में तस्वीर बदल दी
बदलता राजस्थान
MSME में अनेक नीतियां है
आज का नौजवान नीतियों से परिचित नहीं
आगे बढ़ने के लिए किसी किसी की सलाह चाहिए
जिसने पैसा कमाए वो अपने गांव से दूर हो गया
मैं और मेरे परिवार तक सीमित रहा
लेकिन आज जिस ऊंचाई पर पहुंचे हैंउस्के लिए गांव की सौंधीं माटी का आशीर्वाद है
मेरा निवेदन है कि उद्योग के साथ अपने इतदास को सम्भल के रखो
जो कम अपने इतिहास और संस्कृति को भूति है उसके सामने परम्पराएं टूटी है इतिहास मिटता है
अलग अलग सत्रों में ज्ञान बांटे
अनुभव उर ज्ञान बांटे कि चीज है
पैतृक जीम को बेच कर आलीशान मकान बनाया आम बात है
अपने गांव की तरफ लौटें नवाचार करो
साथी हाथ बढ़ाना साथी रे के भाव से आगे बढ़ी
जाजम ही मंच है
आज के समय में आर्थिक स्वावलंबन जारी है
राजनीति में दखल होगा तो नीतियां बनेगी और व्यापार बढ़ेगा, पुरखों का इतिहास

राजपूत सेवा संघ एवं राजपूताना बिजनेस कॉन्क्लेव का शुभारंभ, सेवा के साथ आर्थिक स्वावलंबन पर जोर होटल लालगढ़ पैलेस में हो रहा है आयोजन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राजपूताना की ऐतिहासिक वीरता, संस्कृति और सामाजिक सेवा की परंपरा को व्यवसाय एवं आर्थिक स्वावलंबन से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार को बीकानेर के लालगढ़ पैलेस के दरबार हॉल में राजपूताना बिजनेस नेटवर्क (RBN) के तीन दिवसीय ग्रैंड कॉन्क्लेव का शुभारंभ हुआ। अखंड राजपूताना सर्व सेवा संघ के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में देशभर से 500 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। 22 और 23 अगस्त को विभिन्न सत्रों में व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, निवेश और सामाजिक विकास से जुड़े विषयों पर गहन मंथन होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि राजपूत समाज सदियों से समाज और राष्ट्र की सेवा करता आया है। सेवा की यह भावना आज भी कायम है, लेकिन बदलते आर्थिक परिवेश में समाज को व्यवसाय और उद्यमिता के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि सेवा भावना के साथ आर्थिक स्वावलंबन भी समाज की प्राथमिकता बनना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि व्यापार अब केवल किसी शहर या क्षेत्र की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है। ऑनलाइन कारोबार ने व्यापार के तौर-तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। ऐसे में युवाओं को नई तकनीक, डिजिटल व्यापार और आधुनिक व्यवसायिक अवसरों के साथ कदमताल करनी होगी। उन्होंने राजस्थान को निवेश की दृष्टि से अग्रणी राज्यों में शामिल बताते हुए युवाओं तक राज्य की एमएसएमई नीतियों और उपलब्ध अवसरों की जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने समाज से अपनी संस्कृति और इतिहास को सहेजने का आह्वान करते हुए कहा कि जो समाज अपनी जड़ों से कट जाता है, वह धीरे-धीरे अपनी परंपराओं और पहचान को खो देता है। सहकारिता की भावना को राजपूताना बिजनेस नेटवर्क की प्रेरणा बताते हुए उन्होंने कहा कि समाजहित से जुड़ी नीतियों के निर्माण के लिए राजनीतिक क्षेत्र में भी सक्रिय भागीदारी जरूरी है। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि निष्ठा,मेहनत और महिला शक्ति का साथ राजपूत समाज में सदा से रही है और ये ही समाज को आगे बढ़ाने वाले गुण है।उन्होंने क्षत्रिय समाज द्वारा इस तरह के कार्यक्रम आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि समाज की ऐतिहासिक भूमिका को वर्तमान समय की आवश्यकताओं से जोड़कर आगे बढ़ने की जरूरत है। ऐसे समय में व्यवसाय में निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है।

हंगामे के बीच राजस्थान विधानसभा में पेश हुआ UCC बिल, कांग्रेस विधायकों ने किया बहिष्कार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को हंगामे और नारेबाजी के बीच समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बिल पेश किया गया। राजस्थान सरकार के मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन में यह बिल पेश किया, जिस पर बाद में चर्चा होगी और फिर इसे पास किया जाएगा। दिन की शुरुआत से ही सदन में बार-बार हंगामा हुआ। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुद्दा उठाया कि कांग्रेस विधायकों को विधानसभा के गेट पर रोका गया और इस पर चर्चा की मांग की। उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं पर हुए हमले का मुद्दा भी उठाना चाहा, जो स्कूलों का निरीक्षण करने गए थे। स्पीकर ने प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाने की इजाजत नहीं दी। इसके बाद कांग्रेस विधायक वेल में आ गए, सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार को 'भगोड़ा' बताते हुए पोस्टर दिखाए। जवाब में भाजपा विधायकों ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'भगोड़ा' और 'चोर' कहते हुए नारे लगाए। हंगामा बढ़ने पर विधानसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर 1 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। जब सदन शुक्रवार दोपहर 1 बजे फिर शुरू हुआ, तब भी विरोध जारी रहा।

जवाहर कला केंद्र में सजा फोटोग्राफी का महाकुंभ, फोटो और पेंटिंग का हुआ संगम

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में आयोजित 'नजर फोटो एवं पेंटिंग एग्जीबिशन' के पांचवें सीजन का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ।

तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 21 से 23 अगस्त तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश-विदेश के विभिन्न स्थानों के साथ राजस्थान की संस्कृति, प्रकृति, वन्यजीवन और जनजीवन से जुड़ी चुनिंदा तस्वीरों के साथ पेंटिंग्स भी प्रदर्शित की गई हैं।

प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने फीता खोलकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित तस्वीरों और पेंटिंग्स का अवलोकन किया तथा फोटोग्राफर्स और कलाकारों के कलाकौशल एवं रचनात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। 'नजर' प्रदर्शनी में फोटोग्राफी और पेंटिंग का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है।

जयपुर डिक्लेरेशन केवल दस्तावेज नहीं, ब्रिक्स देशों की साझा प्रतिबद्धता - गजेंद्र सिंह शेखावत

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि भारत दुनिया के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल है। भारत आने वाले विदेशी पर्यटक औसतन 18 दिन यहां ठहरते हैं। भारत की विशालता और विविधता को देखते हुए इस अवधि को और बढ़ाने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स टूरिज्म मिनिस्टर्स कम्युनिकेशन को अंतिम रूप देकर 'जयपुर डायलॉग' और 'जयपुर डिक्लेरेशन' का नाम दिया गया है। किसी अंतरराष्ट्रीय घोषणा से जयपुर का नाम जुड़ना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 'जयपुर डिक्लेरेशन' से जयपुर की वैश्विक पर्यटन पहचान को मजबूती मिलेगी। उन्होंने शुक्रवार को ब्रिक्स पर्यटन मंत्रियों की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत के पर्यटन क्षेत्र के लिए ब्रिक्स जैसे आयोजनों से नई संभावनाएं पैदा होंगी। कोविड के बाद भारत का पर्यटन क्षेत्र प्री-कोविड स्तर को पार कर चुका है और कई मामलों में उससे आगे निकल गया है। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। विशाल देश होने के कारण घरेलू पर्यटन की भी व्यापक संभावनाएं हैं। पिछले दस वर्षों में देश में घरेलू पर्यटन में तीन गुने से अधिक की वृद्धि हुई है। शेखावत ने कहा कि पिछले एक दशक में इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार, अर्थव्यवस्था की वृद्धि, करों में कमी से डिस्पोजेबल इनकम बढ़ने और महंगाई को नियंत्रित रखने के प्रयासों से घरेलू पर्यटन को गति मिली है। उन्होंने कहा कि 'जयपुर डिक्लेरेशन' ब्रिक्स देशों के बीच पर्यटन सहयोग के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसका उद्देश्य बैठकों और चर्चाओं तक सीमित रहना नहीं, बल्कि पर्यटन, अर्थव्यवस्था, रोजगार, स्थानीय समुदायों और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने वाले ठोस और परिणाम आधारित कदम उठाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले वर्ष चीन में ब्रिक्स की बैठकें होने और पर्यटन ट्रैक पर चर्चा के बाद भी 'जयपुर डिक्लेरेशन' के फैसलों के संदर्भ में जयपुर का नाम सामने आएगा। इससे जयपुर की वैश्विक पर्यटन पहचान और राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र को लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत पर्यटन ट्रैक की थीम 'बिल्डिंग फॉर रिजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' रखी गई। इसका उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र को अधिक सक्षम और लचीला बनाना, नवाचार को बढ़ावा देना तथा स्थिरता और जिम्मेदार पर्यटन को प्राथमिकता देना है। उन्होंने कहा कि जयपुर में हुई बैठक में चार प्रमुख प्राथमिकताओं पर सदस्य देशों ने चर्चा की।

ऑपरेशन चक्रव्यूह: नशा तस्कर की 1.25 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

हनुमानगढ़। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे "ऑपरेशन चक्रव्यूह" के तहत हनुमानगढ़ पुलिस ने नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति पर बड़ी कार्रवाई करते हुए नशा तस्कर सहजादा बीबी उर्फ साजिया उर्फ काली का करीब 1.25 करोड़ रुपये कीमत का रिहायशी मकान फ्रीज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ के तहत की है। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द के निकटतम सुपरविजन एवं वृताधिकारी हनुमानगढ़ मीनाक्षी के नेतृत्व में थानाधिकारी हनुमानगढ़ टाउन लखवीर सिंह मय टीम ने कार्रवाई की। अनुसंधान में उसके द्वारा ईस्मा पत्नी राजबअली निवासी लखुवाली के साथ मिलकर नशा तस्करी का रैकेट चलाने की बात सामने आई।

राज्य स्तरीय जूनियर कबड्डी: बीकानेर और जयपुर बालक वर्ग में, चूरू-नागौर बालिका वर्ग में सेमीफाइनल में

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। डॉ. करणी सिंह स्टेडियम के मल्टीपरपज हॉल में चल रही 52वीं राज्य स्तरीय जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के तीसरे दिन शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। प्रदेशभर से आई टीमों के बीच सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए रोमांचक मुकाबले हुए। बालक वर्ग में मेजबान बीकानेर ने सीकर को 11 अंकों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जयपुर ने टोंक को 36 अंकों के बड़े अंतर से शिकस्त दी। वहीं हनुमानगढ़ ने अलवर को 33 अंकों से और भरतपुर ने खेल परिषद अकादमी को 18 अंकों से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। बालिका वर्ग में चूरू ने राजस्थान खेल परिषद अकादमी को बेहद करीबी मुकाबले में 2 अंकों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नागौर ने करौली को 49 अंकों के बड़े अंतर से हराया। वहीं बीकानेर ने टोंक को 28 अंकों से तथा जयपुर ने झुंझुनूं को 29 अंकों से पराजित किया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन मुख्य अतिथि राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत रहे। उनके साथ एडिशनल एसपी दीपचंद साहारण और राजस्थान शिक्षा निदेशालय के स्टाफ ऑफिसर अशोक शर्मा भी मौजूद रहे। गहलोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कबड्डी भारतीय खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और ऐसी प्रतियोगिताएं नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच देती हैं। प्रतियोगिता का समापन 22 अगस्त को सुबह 9 बजे होगा। इस दौरान बालक एवं बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे तथा विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा। बालक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मेजबान बीकानेर ने सीकर को 11 अंकों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। घरेलू मैदान पर बीकानेर के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और मुकाबले के महत्वपूर्ण क्षणों में बढ़त बनाए रखी। हनुमानगढ़ ने अलवर को 33 अंकों से पराजित किया, जबकि भरतपुर ने राजस्थान खेल परिषद अकादमी को 18 अंकों से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया।

आसोपा आश्रम ट्रस्ट की 3.46 हेक्टेयर भूमि की कथित फर्जी रजिस्ट्री का मामला, सात नामजद समेत अन्य पर FIR

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। उदयरामसर स्थित आसोपा आश्रम ट्रस्ट की बेशकीमती कृषि भूमि की कथित फर्जी रजिस्ट्री के मामले में गंगाशहर थाना पुलिस ने सात नामजद व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। ट्रस्ट की प्रधान ट्रस्टी उर्मिला आसोपा की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश से दर्ज एफआईआर में आपराधिक षड्यंत्र, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और फर्जी आम मुख्त्यारनामा के आधार पर भूमि हड़पने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार ट्रस्ट की कुल 61.51 हेक्टेयर भूमि में से करीब 3.46 हेक्टेयर भूमि की 20 जुलाई 2026 को रजिस्ट्री*कथित तौर पर करवाई गई। ट्रस्ट का आरोप है कि भूमि से जुड़े मामले राजस्व न्यायालय में विचाराधीन होने और स्थगन आदेश प्रभावी होने के बावजूद रजिस्ट्री कराई गई। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि भूमि बेचने के अधिकार के बिना कथित रूप से फर्जी आम मुख्त्यारनामा तैयार किया गया और उसके आधार पर रजिस्ट्री करवाने का प्रयास किया गया। शिकायत में उपपंजीयक कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों से मिलीभगत की आशंका भी जताई गई है। मामले में दिलीप पुरी, अनुज जैन, नेहा जैन, यश पुगलिया, धीरज पुगलिया, विमल कुमार लालाणी और मघागिरी को नामजद किया गया है। पुलिस ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की बात भी कही है। शिकायतकर्ता के अनुसार 19 अगस्त को बीछवाल थाने में सूचना देने के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय में परिवाद प्रस्तुत किया गया था। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर चक्रवर्ती सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अब दस्तावेजों, रजिस्ट्री और संबंधित राजस्व रिकॉर्ड की जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी। शिकायत के अनुसार आसोपा आश्रम ट्रस्ट के पास कुल 61.51 हेक्टेयर कृषि भूमि है। इसके बावजूद भूमि की रजिस्ट्री कराए जाने का आरोप लगाया गया है।

झुंझुनूं में 20 लाख की अवैध शराब जब्त, सोफा और अलमारी के पीछे छिपाकर ले जा रहे थे 148 कार्टन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

झुंझुनूं। आगामी नगरीय निकाय चुनाव-2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत झुंझुनूं पुलिस ने अंतरराज्यीय अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस थाना पिलानी ने चंडीगढ़ निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब के 148 कार्टन और शराब परिवहन में प्रयुक्त बंद बॉडी पिकअप वाहन जब्त कर आरोपी प्रवीण को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब और वाहन की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत एवं वृताधिकारी चिड़ावा गौरव गुर्जर के सुपरविजन में थानाधिकारी अलका विश्नोई के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की।

शुक्रवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मंड्रेला से पिलानी की ओर एक बंद बॉडी पिकअप में अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मंड्रेला-पिलानी रोड पर नाकाबंदी की। इस दौरान मंड्रेला की तरफ से आती संदिग्ध पिकअप को रुकवाकर तलाशी ली गई। पिकअप के पिछले हिस्से में पुराने सोफा सेट और लोहे की अलमारी के पीछे छिपाकर 148 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब रखी गई थी। आरोपी के पास शराब परिवहन का कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। इस पर शराब और वाहन जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा आबकारी अधिनियम की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी हरियाणा सीमा से शराब लेकर राजस्थान के रास्ते गुजरात ले जा रहा था। पुलिस की चेकिंग से बचने के लिए पिकअप के पिछले हिस्से में पुराने सोफा सेट और लोहे की अलमारी को गत्तों एवं टेप से इस तरह ढका गया था कि बाहर से वाहन में घरेलू सामान का परिवहन होता हुआ दिखाई दे। पुलिस अब आरोपी से शराब तस्करी के नेटवर्क, शराब की सप्लाई और इसके गंतव्य के संबंध में पूछताछ कर रही है।

राजस्थान/ प्रादेशिक

डीएमएफटी फण्ड बने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास का माध्यम, गुणवत्तापूर्ण कार्यों पर जोर : वी. श्रीनिवास

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउण्डेशन फण्ड से पेयजल, षिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, युवाओं व महिलाओं के कौशल विकास सहित प्राथमिकता क्षेत्र के कार्यों पर विशेष जोर दिया जाएं। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र के गांवों में सड़क सहित आधारभूत संरचनात्मक कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करते समय यह ध्यान रखा जाएं कि स्वीकृत राशि से कार्य संपूर्ण हो सके। उन्होंने वित विभाग को यह भी निर्देश दिए कि कार्यों की गुणवत्ता और प्राथमिकता देखते हुए राशि स्वीकृत करें और प्रभावी मोनेटरिंग तय की जाएं। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फण्ड खनन प्रभावित क्षेत्रों और क्षेत्रवासियों के विकास का माध्यम बनें। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास शुक्रवार को सचिवालय में डिस्टिक्ट मिनरल फाउण्डेशन की राज्य स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फण्ड के गुणवत्तापूर्ण और बेहतर उपयोग के लिए कलेक्टर्स को आवष्यक निर्देश जारी करने के साथ ही कलेक्टर्स के साथ रिव्यू किया जाएगा। उन्होंने खनन क्षेत्रों में डीएमएफटी फण्ड के बेहतर उपयोग की पंचवर्षीय योजना बनाने की भी आवश्यकता प्रतिपादित की ताकि खनन क्षेत्रों के नागरिकों का लाभान्वित किया जा सके। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस अपर्णा अरोरा ने बताया कि डीएमएफटी में मेजर मिनरल लीजों से रायल्टी राशि की 30 प्रतिशत और माइनर मिनरल लीजों से रॉयल्टी की 10 प्रतिशत राशि एकत्रित होती है। इस फण्ड का उपयोग खनन क्षेत्र के 15 किलोमीटर क्षेत्र को प्राथमिकता देने और आवश्यकता होने पर 15 से 25 किमी क्षेत्र तक कार्य कराये जाने के प्रावधान है। इससे खनन प्रभावित क्षेत्रवासियों को पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, पर्यावरण विकास सहित प्राथमिकता क्षेत्र के कार्य कराने के साथ ही 30 प्रतिशत राशि से सड़क, आधारभूत संरचना आदि कार्य कराने के प्रावधान है। डीएमएफटी फण्ड में सालाना ओसतन 1600 करोड़ रु. की राशि प्राप्त होती है। संबंधित जिलों में 11435 करोड़ 81 लाख रुपए की राशि के कार्य स्वीकृत किये जा चुके हैं जिसमें से 6718 करोड़ 28 लाख रुपए व्यय हो चुके हैं। बैठक में विशिष्ट सचिव माइंस नम्रता वृष्णि ने डीएमएफटी के कार्यों और प्रगति की विस्तार से जानकारी दी।

लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स ने 101 पौधे लगाकर दिया हरित वसुंधरा का संदेश

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बहरोड़। लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स की ओर से "हरित वसुंधरा अभियान—एक पेड़, एक जीवन" के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संदेश देते हुए चंदन केसर कदम्ब सोसायटी, उपवन—द गार्डन सिटी में पौधरोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के 101 फलदार, छायादार एवं फूलदार पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। सोसायटी की प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष (सत्र 2024-26) लायन सत्यवती यादव ने अपने जन्मदिन के विशेष अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कनेर, जामुन, बेलपत्र, गुड़हल, रात की रानी, चंपा, आम, अशोक और मोगरा सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। सोसायटी प्रबंधन समिति ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित रखरखाव की जिम्मेदारी ली। क्लब अध्यक्ष MJF लायन दिनेश अग्रवाल ने कहा कि लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में मिठाई का वितरण कर खुशी साझा की गई।

विद्याश्रम स्कूल में संवाद, तर्क और अभिव्यक्ति का सशक्त संगम

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम, प्रताप नगर, जयपुर में KALEIDOSCOPE – Vox Populi इंटर-स्कूल डिबेट, कला एवं खेल समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता, रचनात्मक प्रतिभा तथा खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या डॉ. योजना शर्मा के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात विशेष अतिथि एवं विद्यालय के पूर्व छात्र आर्यन चेतिवाल, आईआरटीएस ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि राजेंद्र भानावत, चेयरमैन, विद्यालय प्रबन्धन समिति - भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम, प्रताप नगर ने अपने प्रेरणादायी संबोधन से प्रतिभागियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए विशेष अभियान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटपूतली-बहरोड़। जिला कलेक्टर के निर्देशन में त्योहारों के सीजन को देखते हुए मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बुधवार को पावटा में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा मैसर्स शिवम बेकरी रसगुल्ला भण्डार से रसगुल्ला, मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भण्डार से मलाई बर्फी एवं मिल्क केक तथा मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भण्डार से मिश्री मावा के नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित मिष्ठान भण्डारों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किए गए।

राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास को मिला 6 महीने का सेवा विस्तार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। केंद्र सरकार ने राजस्थान के मुख्य सचिव एवं 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी वी. श्रीनिवास को 6 महीने का सेवा विस्तार (Service Extension) प्रदान किया है।

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (DoPT) ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं।

DoPT द्वारा राजस्थान सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव को भेजे गए पत्र के अनुसार, राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

अखिल भारतीय सेवा नियमावली (AIS DCRB Rules, 1958) के नियम 16(1) के तहत श्री वी. श्रीनिवास का कार्यकाल 1 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 28 फरवरी 2027 तक कर दिया गया है। मुख्य सचिव के सेवा विस्तार को लेकर राजस्थान सरकार की ओर से 23 जुलाई 2026 को केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था।

महाराष्ट्र प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं की बेस्ट प्रैक्टिसेस का किया अध्ययन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को बताया कि राजस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं में अपनाए जा रहे नवाचारों, प्रभावी प्रबंधन एवं जनहितकारी व्यवस्थाओं को समझने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश का अध्ययन दौरा किया है। "बेस्ट प्रैक्टिसेस इन पब्लिक हेल्थ इन राजस्थान" विषय पर आयोजित इस दौरे में प्रतिनिधिमंडल ने पहले दिन जयपुर शहर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों एवं सेवाओं का अवलोकन कर राजस्थान की कार्यप्रणाली को समझा। प्रतिनिधिमंडल 19 से 23 अगस्त तक प्रदेश के दौरे पर रहेगा। राठौड़ ने बताया कि अध्ययन दौरे का उद्देश्य राजस्थान की सफल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं एवं नवाचारों से सीख लेते हुए उनकी उपयोगिता का आकलन करना तथा महाराष्ट्र में इन्हें अपनाने की संभावनाओं को समझना है। यह दौरा दोनों राज्यों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में ज्ञान, अनुभव एवं नवाचारों के आदान-प्रदान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रतिनिधिमंडल में संजय श्रीपतराव काटकर, आईएएस, कमिश्नर हेल्थ सर्विसेज एवं मिशन डायरेक्टर, एनएचएम महाराष्ट्र तथा बापू पवार, आईएएस, सीईओ, महाराष्ट्र मेडिकल गुड्स प्रोक्योरमेंट अथॉरिटी सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान में डिजिटल हेल्थ सिस्टम एवं आईएचएमएस सॉफ्टवेयर के इंप्लीमेंटेशन की प्रक्रिया का अध्ययन किया।

दौसा में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ गहराया आक्रोश : लालसोट रोड जाम मामले में 35 दिन बाद FIR से भड़का गुर्जर समाज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। जिले में हालिया प्रदर्शनों के बाद पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मुकदमों को लेकर विरोध तेज हो गया है। एक तरफ बिजली विभाग के ठेका कर्मचारी की मौत के बाद लालसोट रोड जाम करने के मामले में 35 दिन बाद दर्ज हुई एफआईआर से गुर्जर समाज में भारी आक्रोश है, वहीं दूसरी ओर अवैध खनन कार्रवाई के विरोध में उतरे ट्रैक्टर चालकों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग को लेकर लामबंदी शुरू हो गई है। लालसोट रोड जाम मामलाः 35 दिन बाद 15 नामजद लोगों पर केस, समाज ने दी आंदोलन की चेतावनी बिजली निगम के संविदा कर्मी अवतार गुर्जर की मौत के बाद लालसोट रोड जाम करने के आरोप में दौसा कोतवाली पुलिस ने 35 दिन बाद 15 नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एफआईआर में इनके नाम शामिलः पुलिस ने मक्खन डोई, धारा सिंह डोई, सियाराम डोई, गिर्राज डोई, मोहरसिंह, मुकेश (गांगल्यावास), रामकुंवार ठेकेदार, श्रवण गुर्जर, मानसिंह गुर्जर (मोटलबास), संजय भंडाना, जीतू गुर्जर (श्यालावास बांदीकुई), सुरेश तुंगड़ (भाण्डारेज मोड़), विजेन्द्र पीपलकी, विजेन्द्र (लोहसरी) और सतवीर छावड़ी (सबलपुरा) के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। समझौते की अवहेलना का आरोपः पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष संजय भंडाना ने कहा कि घटना के समय जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर परिजनों की सुनवाई न होने पर आक्रोशित लोगों ने प्रदर्शन किया था। तब पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने सहमति बनने पर कोई केस दर्ज न करने का आश्वासन दिया था। 35 दिन बाद की गई यह कार्रवाई सीधे तौर पर राजनीतिक दबाव और वादे की खिलाफत को दर्शाती है। कलेक्टर-एसपी को ज्ञापनः बैठक में निर्णय लिया गया कि 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपेगा। मांगें न माने जाने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई। एसपी का बयानः मामले पर एसपी पीयूष दीक्षित ने कहा कि रोड जाम करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाती है और फिलहाल मामले की जांच जारी है। इसमें तय किया गया कि प्रत्येक ट्रैक्टर चालक अपने साथ पांच महिलाएं और पांच पुरुष लेकर पहुंचेगा।

जालोर में म्यूटेशन के बदले 10 हजार रिश्वत मांगने वाली महिला पटवारी पर ACB का शिकंजा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जालोर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी जालोर इकाई ने एक महिला पटवारी के खिलाफ रिश्वत मांगने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पटवार हल्का दांतीवास (तहसील भीनमाल) की पटवारी श्रीमती ललिता पर फौतगी व हकत्याग म्यूटेशन खोलने के बदले परिवादी से 10,000 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी को हेल्पलाइन नंबर 1064 और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जालोर) के समक्ष प्रस्तुत लिखित शिकायत के जरिए इस भ्रष्टाचार की सूचना मिली थी। परिवादी ने शिकायत में बताया कि उसके दादाजी के निधन के बाद फौतगी म्यूटेशन और भू-अधिकार हकत्याग म्यूटेशन दर्ज करने की एवज में पटवारी ललिता द्वारा लगातार रिश्वत की मांग की जा रही है।

डीग : महिला से सोने का हार लूटकर भागे बदमाशों ने गांव लौटकर की फायरिंग, युवक घायल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित दूंदावल गांव में लूट के बाद बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जिला आरबीएम अस्पताल भरतपुर रेफर किया गया है, जहाँ उसका इलाज जारी है। घायल साहिब खान के अनुसार, दो बाइकों पर सवार होकर लगभग पांच बदमाश दूंदावल गांव पहुंचे थे। बदमाशों ने गांव की एक महिला के गले से सोने का हार लूट लिया और भागने का प्रयास किया। शोर सुनकर ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और दो बदमाशों को मौके पर ही पकड़कर उनकी धुनाई कर दी। घटना के कुछ ही देर बाद बदमाश दोबारा हथियार लेकर गांव पहुंचे और हमला बोल दिया। इस दौरान बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। गोली के छर्रे लगने से साहिब खान गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तुरंत उसे नगर अस्पताल ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। घायल साहिब खान ने आरोप लगाया है कि वारदात को अंजाम देने वाले और फायरिंग करने वाले बदमाश नजदीकी गांव सुन्दरावली के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थाना पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार, दो बाइकों पर सवार होकर करीब पांच बदमाश दूंदावल गांव पहुंचे थे। आरोप है कि बदमाशों ने गांव की एक महिला के गले से सोने का हार लूट लिया और मौके से भागने लगे। महिला के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने बदमाशों का पीछा किया और तत्परता दिखाते हुए दो आरोपियों को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने दोनों की मौके पर ही धुनाई कर दी। बताया जा रहा है कि घटना के कुछ ही देर बाद बदमाश दोबारा हथियारों के साथ गांव पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने ग्रामीणों पर हमला कर दिया और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग शुरू कर दी।

कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय में प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग पर विशेष मास्टरक्लास का आयोजन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। 21 अगस्त को कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर के कैरियर गाइडेंस, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेंटर द्वारा "मास्टरक्लास ऑन प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग-शेपिंग बेटर एआई रिस्पॉन्सेस" विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। सत्र के मुख्य वक्ता हिमांशु सौदा, सर्टिफाइड आईबीएम ट्रेनर एवं एआई एक्सपर्ट, ने विद्यार्थियों को प्रभावी प्रॉम्प्ट्स तैयार करने तथा एआई से बेहतर, सटीक और उपयोगी प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने की तकनीकों से अवगत कराया। उन्होंने व्यावहारिक उदाहरणों एवं डेमोंस्ट्रेशन्स के माध्यम से प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं तथा इसके एकेडमिक और प्रोफेशनल एप्लीकेशन की जानकारी दी। वक्ता ने उन प्लेटफ़ॉर्म्स के बारे में भी बताया जिनका इस्तेमाल करके छात्र एआई की मदद से कुछ ही मिनटों में अपनी वेबसाइट और ऐपलिकेशन बना सकते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बदलते तकनीकी परिवेश में विद्यार्थियों के लिए इमर्जिंग तकनीकों को समझना और उनका प्रभावी उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, नई तकनीकों के साथ स्वयं के कौशल में वृद्धि करने तथा अपने ज्ञान और क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। सेंटर संयोजिका डॉ. आकांक्षा गंडा ने बताया कि मास्टरक्लास विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रही तथा उन्हें एआई लिटरेसी, डिजिटल स्किल्स और वर्कप्लेस रेडीनेस विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सेंटर की सदस्य डॉ. दमयंती सोढा और डॉ. पारुल सिंह का इस सत्र के सफल आयोजन में योगदान रहा। इसमें लगभग 50 छात्राओं ने भाग लेकर लाभ प्राप्त किया। सत्र के मुख्य वक्ता हिमांशु सौदा, सर्टिफाइड आईबीएम ट्रेनर एवं एआई एक्सपर्ट रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रभावी और स्पष्ट प्रॉम्प्ट तैयार करने के तरीके बताए, जिससे एआई से अधिक सटीक, उपयोगी और अपेक्षाकृत बेहतर प्रतिक्रियाएं प्राप्त की जा सकें। उन्होंने बताया कि सही तरीके से तैयार किया गया प्रॉम्प्ट एआई टूल्स से मिलने वाले परिणामों की गुणवत्ता को काफी बेहतर बना सकता है। उन्होंने छात्राओं को निरंतर सीखने और तकनीकी बदलावों के साथ अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

महेशवरा कलां के राजकीय विद्यालय में योग शिविर व पौधरोपण आयोजित, विद्यार्थियों ने सीखे योगाभ्यास

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, महेशवरा कलां में विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए एक दिवसीय योग शिविर एवं पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। शिविर में पतंजलि महिला योग समिति, दौसा की जिला प्रभारी कीर्ति शर्मा ने विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित योग और प्राणायाम करने से बच्चों में एकाग्रता, स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संचार होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ शरीर और तीव्र बुद्धि के लिए योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान डॉ. यश शर्मा और पार्थ शर्मा ने प्राणायाम सत्र में सहयोग दिया। शिक्षा विभाग के पूर्व उपनिदेशक बृजेश शर्मा ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ हमें प्राणवायु, फल-फूल और औषधियां प्रदान करते हैं।

मनोरंजन समाचार

‘राइज एंड फॉल’ में अर्जुन बिजलानी से मिली हार नहीं भूले आरुष भोला, रनर-अप ने शो को बताया बायस्ड

अशनीर ग्रोवर के होस्ट किए गए रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल’ में आरुष भोला रनर-अप रहे, जबकि अर्जुन बिजलानी ने विनर की ट्रॉफी जीती। हालांकि, आरुष इस नतीजे से पूरी तरह खुश नहीं थे। फराह खान के साथ हाल ही में हुई बातचीत में उन्होंने शो पर तंज कसा और इसे बायस्ड बताया। फराह खान हाल ही में अपने यूट्यूब फूड व्लॉग के लिए आरुष और लैला से मिलने गईं। ‘राइज एंड फॉल’ में आरुष के सफर के बारे में बात करते हुए, फराह ने उनसे पूछा कि ‘क्या तुम आखिर तक थे?’ इस पर आरुष ने जवाब दिया, ‘मैं रनर-अप था।’ जब मशहूर फिल्ममेकर फराह खान ने पूछा कि विनर कैसे चुना गया तो आरुष ने कहा, ‘आखिर में वही इंटरनल वोटिंग करवा दी।’ फिर वे हंसे और बोले, ‘बायस्ड शो है, आपको तो पता ही है।’ फराह ने तुरंत असहमति जताई और हंसते हुए कहा, ‘नहीं, नहीं, नहीं।’ फिर फराह ने मजाक में कहा, ‘जो शो आप न जीतें वो बायस्ड होता है,’ ऐसा लग रहा था कि कंटेस्टेंट अक्सर शो को बायस्ड कहते हैं, जब वे नहीं जीतते। फराह ने आरुष के होस्ट अशनीर से लड़ने का भी मजाक उड़ाया। आरुष की मां से बात करते हुए, उन्होंने कहा, ‘मैंने इसको भी देखा था, होस्ट को ही रुला दिया था।’ आरुष भोला पहले भी शो के दौरान राइज एंड फॉल के होस्ट अशनीर ग्रोवर से एक गलत बात पर भिड़ चुके थे। बहस तब शुरू हुई, जब अशनीर ने उस गाली का जिक्र किया जो आरुष ने रेड रूम में बोलते समय अपने लिए इस्तेमाल की थी।

राधिका पंडित ने बच्चों संग की वरमहालक्ष्मी पूजा, यश ने वीडियो कॉल के जरिए दिया साथ

कन्नड़ एक्ट्रेस राधिका पंडित ने बेंगलुरु स्थित अपने घर पर अपनी बेटी आयरा और बेटे यथर्व के साथ वरमहालक्ष्मी का त्योहार मनाया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर कीं, जिससे फैंस को परिवार के इस खास मौके की झलक मिली। यश उनके साथ मौजूद नहीं रह पाए, क्योंकि वह अपनी आने वाली फिल्म ‘टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स’ के प्रमोशन में बिजी थे। हालांकि, वह वीडियो कॉल के जरिए वर्चुअली इस सेलिब्रेशन में शामिल हुए। तस्वीरों में राधिका और बच्चे त्योहार के लिए तैयार होकर घर पर जश्न मनाते हुए दिखे। तस्वीरें शेयर करते हुए राधिका ने बताया कि कैसे भक्ति लोगों को एक साथ ला सकती है। भले ही वे शारीरिक रूप से दूर हों। उन्होंने लिखा, ‘वरमहालक्ष्मी हमें याद दिलाती है कि भक्ति के लिए दूरी कोई मायने नहीं रखती। इस साल चाहे हमने साथ बैठकर पूजा की हो या वर्चुअली जुड़े हों, देवी का आशीर्वाद सभी तक समान रूप से पहुंचा।’ उनके इस मैसेज के साथ परिवार के एक साथ जश्न मनाने की झलकियां भी थीं, जिसमें यश वीडियो कॉल के जरिए शामिल हुए। यश और राधिका ने दिसंबर 2016 में शादी की थी। वे आयरा और यथर्व के माता-पिता हैं। यह कपल सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते हैं और अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी छोटी-बड़ी अपडेट भी फैंस को देते हैं। यश अभी ‘टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स’ का प्रमोशन कर रहे हैं, जो 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म ‘के.जी.एफ. चैप्टर 2’ के बाद उनकी पहली बड़ी रिलीज है। हाल ही में मेकर्स ने घोषणा की थी कि वह रिलीज से पहले इस फिल्म के लिए हैदराबाद में ग्रैंड प्री-रिलीज इवेंट रखेंगे। इसके अलावा ‘टॉक्सिक’ को सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से ‘A’ रेटिंग मिली है।

अर्जुन रामपाल ने गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रियड्स संग रचाई शादी, गोवा में कराया मैरिज रजिस्ट्रेशन

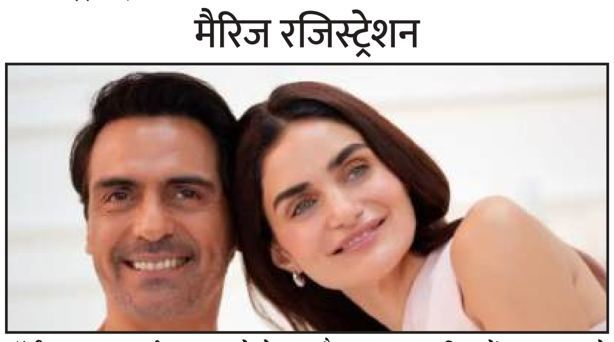

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल ने गोवा में अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डेमेट्रियड्स के साथ शादी को आधिकारिक तौर पर रजिस्टर करा लिया है। उन्होंने राज्य के यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) के तहत कानूनी औपचारिकताएं पूरी कीं। यह कपल शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे नार्थ गोवा के मापुसा में सब-रजिस्ट्रार ऑफिस पहुंचा। वे कैजुअल आउटफिट में नजर आए थे और उनके साथ उनके करीबी दोस्त भी दिखाई दिए। सब-रजिस्ट्रार सूरज वर्नेकर ने PTI को कन्फर्म किया कि शादी गोवा के UCC फ्रेमवर्क के तहत रजिस्टर की गई थी। दिसंबर 2025 में कपल ने अपडेट दी थी कि उन्होंने लंबे समय तक लिव-इन में रहने के बाद सगाई कर ली है।

प्रेग्नेंट नहीं हैं करीना कपूर, वायरल वीडियो पर बेबो की टीम ने दिया रिएक्शन, बताया प्रेग्नेंसी रूमर्स का सच

करीना कपूर खान हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी रूमर्स को लेकर सुर्खियों में आ गईं। हाल ही में करीना कपूर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह ब्लैक जिम वियर में नजर आ रही हैं। इस वीडियो में एक्ट्रेस का लुक देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि वह तीसरी बार प्रेग्नेंट हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए नेटिजंस ने उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल करना शुरू कर दिया, जिसके बाद अब एक्ट्रेस की टीम ने भी इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है और साफ किया कि करीना प्रेग्नेंट नहीं है। करीना की टीम ने प्रेग्नेंसी रूमर्स पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल, हाल ही में करीना कपूर को मुंबई में स्पॉट किया गया। इस दौरान करीना कपूर जिम के कपड़ों में एक बिल्डिंग से बाहर निकलते देखा जा सकता है और उनकी टीम उन्हें छाते से ढकने की कोशिश कर रही है। जैसे ही करीना बिल्डिंग से बाहर निकलती हैं और कार में बैठने के लिए आगे बढ़ती हैं, एक पल को छाते से उनकी झलक देखने को मिलती है और इसी झलक में लोगों को उनका ‘बेबी बंप’ जैसा कुछ दिखाई दिया और सोशल मीडिया पर करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहें तेजी से फैलने लगीं। वायरल वीडियो और प्रेग्नेंसी रूमर्स पर प्रतिक्रिया देते हुए अब करीना की टीम ने साफ किया है कि वह प्रेग्नेंट नहीं हैं और सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं में कोई सच्चाई नहीं है। सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने भी एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें बेबो की टीम की का हवाला देते हुए बताया गया है कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट नहीं हैं। वहीं इस वायरल क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक सूत्र ने HT से बातचीत में कहा, ‘करीना प्रेग्नेंट नहीं हैं। यह सच नहीं है।’ पिछले दिनों करीना कपूर पति सैफ अली खान और बच्चों के साथ वेकेशन पर थीं, जिसकी झलकियां उन्होंने सोशल मीडिया पर भी शेयर की थीं। तस्वीरों में करीना ने समुद्र से बाहर आते सैफ अली खान की झलक दिखाई और उन्हें ‘हॉट हसबैंड’ बताया। वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना आखिरी बार ‘सिंघम अगेन’ में नजर आई थीं, वहीं सैफ अली खान को नेटफ्लिक्स की ‘कर्तव्य’ में देखा गया था। अब सैफ अली खान, अक्षय कुमार के साथ प्रियदर्शन की साइकोलॉजिकल थ्रिलर ‘हैवान’ में नजर आएंगे, जिसका पहला गाना ‘मेरे हीरो हैं वो’ हाल ही में रिलीज हुआ है, जो इमोशनल कर देने वाला है। दरअसल, करीना कपूर को हाल ही में मुंबई में एक बिल्डिंग से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान वह जिम के कपड़ों में थीं और उनकी टीम उन्हें छाते से कैमरों से बचाने की कोशिश कर रही थी। जब अभिनेत्री कार की ओर बढ़ीं तो कुछ पल के लिए उनका चेहरा और शरीर कैमरे में नजर आया। इसी दौरान सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके पेट को देखकर इसे ‘बेबी बंप’ मान लिया और करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चाएं शुरू हो गईं। वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट कर अभिनेत्री से प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल भी पूछे। सोशल मीडिया पर चर्चा बढ़ने के बाद करीना कपूर की टीम ने स्पष्ट किया कि अभिनेत्री प्रेग्नेंट नहीं हैं।

जानवरों को टारगेट करना बंद करो, को-एग्जिस्ट करना सीखो : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जानवरों के प्रति खास जुड़ाव रखती हैं और अक्सर उनके प्रति प्यार और सुरक्षा को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने एक खास पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स की सेफ्टी को लेकर खास अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि एक डॉग उनके मेकअप रूप के बाहर असहाय हालत में बैठा था, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने मेकअप रूप में बुला लिया। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने लिखा, “डॉग सेट पर इधर-उधर खाना ढूंढ़ रही थी, लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या फिर डांटकर भगा रहे थे। उसी समय मैं अपना मेकअप टचअप करवाने आई थी। डॉग दरवाजे से झांक रही थी, जैसे पूछ रही हो, “क्या मैं अंदर आ सकती हूं?” और बस मुझे इतना कहा कि आजा और वह चुपचाप अंदर आ गई थोड़ी डरी हुई। मैने पूछा कि कुछ खाएंगी? बाद में उसने पूंछ हिलाई और मेरे पास आकर बैठ गई।”

अभिनेत्री ने बताया कि बाद में उनका असिस्टेंट उसके लिए खाना और दूध लेकर आया था। उन्होंने लिखा, “वह बहुत भूखी थी, मेरे असिस्टेंट ने उसे जो दिया था। उसने तुरंत ही सब कुछ खत्म कर दिया और ज्यादा नहीं मांगा। बस वहीं बैठी रही। शायद कमरे में सेफ महसूस कर थी। उसे देख सभी के चेहरे में स्माइल आ गई थी।”

अभिनेत्री ने सभी सवाल करते हुए लिखा कि हम उन्हें भगाते, मारते और दूर क्यों करते हैं, जो हम पर डिपेंड हैं? जिनका हमारे साथ रहने का उतना ही हक है? पहले मुझे स्ट्रीट डॉग से बहुत डर लगता था। उन्होंने लिखा, “मैं अब जब भी देखती हूं कि इन जानवरों को लगातार टारगेट किया जाता है, तो मैं खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करती हूं। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस थोड़ा खाना और प्यार की चाहत है। हम कौन होते हैं ये तय करने वाले कि हमारे साथ कौन रहेगा और कौन नहीं, ये ऊपर वाले का काम है।”

उन्होंने आगे लिखा, “हमारा काम बस ऊपर वाले की कायनात में सबके साथ मिल-जुल कर रहना है। अभी भी मेरे चेहरे पर हल्की सी स्माइल है। मैं उम्मीद करती हूं कि आज कोई और भी उससे दोस्ती करेगा। बाय छोटी... तुमको हमेशा सेफ जगह मिले।” दि अभिनेत्री ने बताया कि जब वह मेकअप टचअप के लिए अपने रूम में आईं, तो डॉग दरवाजे से अंदर झांक रही थी। दिव्या ने उसे अंदर आने के लिए कहा तो वह थोड़ी डरी-सहमी हुई कमरे में आ गई और चुपचाप उनके पास बैठ गई। व्या दत्ता ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें एक स्ट्रीट डॉग उनके मेकअप रूम में बैठा नजर आ रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि शूटिंग सेट पर यह डॉग इधर-उधर खाने की तलाश कर रही थी, लेकिन लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या डांटकर वहां से भगा रहे थे। दिव्या ने बताया कि उन्होंने उससे पूछा कि क्या वह कुछ खाएगी। इसके बाद डॉग ने अपनी पूंछ हिलाई और अभिनेत्री के पास आकर बैठ गई। कुछ ही देर बाद उनके असिस्टेंट ने उसके लिए खाना और दूध लाकर दिया। अभिनेत्री के मुताबिक, डॉग ने खाना तुरंत खत्म कर दिया और इसके बाद ज्यादा कुछ नहीं मांगा। वह बस मेकअप रूम में बैठी रही। दिव्या ने कहा कि शायद उसे वहां सुरक्षित महसूस हो रहा था और उसे देखकर वहां मौजूद लोगों के चेहरों पर भी मुस्कान आ गई।

दिव्या ने अपनी पोस्ट के जरिए लोगों से सवाल किया कि जो जानवर इंसानों पर निर्भर हैं और हमारे आसपास रहते हैं, उन्हें हम भगाते, मारते या उनसे दूरी क्यों बनाते हैं। उन्होंने कहा कि इन जानवरों को बहुत ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, उन्हें केवल थोड़ा खाना, सुरक्षा और प्यार चाहिए। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि एक समय उन्हें खुद स्ट्रीट डॉग्स से काफी डर लगता था, लेकिन अब जब वह इन जानवरों को लगातार निशाना बनते देखती हैं तो उनकी मदद के लिए खुद आगे बढ़ती हैं। उन्होंने इंसानों को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि उनके साथ कौन रहेगा और कौन नहीं। उनके अनुसार, प्रकृति में हर जीव का अपना स्थान है और इंसानों की जिम्मेदारी सभी के साथ मिल-जुलकर रहने की है। दिव्या ने पोस्ट के अंत में उस डॉग को प्यार से विदा करते हुए उम्मीद जताई कि आगे उसे कोई और भी अपनापन और सुरक्षा देगा।

‘हीरो की हीरोइन’ से साजिद खान की वापसी, गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा संग नितांशी गोयल भी आएंगी नजर

एकता आर कपूर और अमर बुटाला एक नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म ‘हीरो की हीरोइन’ पर साथ काम कर रहे हैं, जिसे साजिद खान डायरेक्ट करेंगे। मेकर्स इस फिल्म को एक थिएटर में दिखाई जाने वाली एंटरटेनिंग फिल्म के तौर पर पेश कर रहे हैं, जिसमें सुपरनैचुरल एलिमेंट्स, कॉमेडी और रोमांस का तड़का होगा। हालांकि, कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद है कि ‘हीरो की हीरोइन’ सुपरनैचुरल जॉनर को कॉमेडी के नजरिए से दिखाएगी और इसमें हॉरर के साथ-साथ ह्यूमर और रोमांस भी होगा। ’हीरो की हीरोइन’ से यशवर्धन आहूजा हिंदी सिनेमा में लीड एक्टर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं। उनके साथ नितांशी गोयल फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म में सुनीता आहूजा, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला, सिमरत कौर रंधावा और अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस कास्ट में जाने-माने कलाकार और नए टैलेंट दोनों शामिल हैं, जो फिल्म की कॉमेडी और हॉरर के मिक्स को और मजेदार बनाएंगे। गोविंदा और सुनीता के बेटे यशवर्धन आहूजा के लिए यह प्रोजेक्ट हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एक अहम एंट्री है, क्योंकि वह बड़े पर्दे पर अपना पहला लीड रोल निभा रहे हैं। ऐसे में दोनों एक्टर्स के लिए यह एक अहम प्रोजेक्ट है।

‘अगर ये आपके समर्थक हैं...’ श्वेता तिवारी ने राज ठाकरे से पूछ दिया ऐसा सवाल, मचा बवाल

टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई पोस्ट साझा कर उन लोगों को जवाब दिया, जो महिलाओं से बात करते समय अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं। अभिनेत्री ने दावा किया कि उन्हें गंदे और आपत्तिजनक मैसेज भेजने वालों में कुछ लोग खुद को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे और उनकी पार्टी का समर्थक बता रहे थे। इस पूरे मामले पर श्वेता ने सीधे राज ठाकरे से सवाल किया। श्वेता ने अपनी बात की शुरुआत सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ इस्तेमाल होने वाली अभद्र भाषा पर सवाल उठाते हुए की। उन्होंने कहा, ''यह समस्या सिर्फ कुछ लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया पर यह व्यवहार दुर्भाग्य से काफी आम होता जा रहा है। किसी भी उम्र, किसी भी पेशे और किसी भी पृष्ठभूमि की महिला को लोग अपमानजनक शब्द कह देते हैं। ऐसे लोगों में सिर्फ अनपढ़ या गलत माहौल से आने वाले लोग ही नहीं हैं। कई ऐसे पुरुष भी महिलाओं को गालियां देते हैं, जो पढ़े-लिखे हैं और अच्छे परिवारों से आते हैं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''इन पुरुषों के अपने घरों में भी महिलाएं होती हैं। किसी की मां है, किसी की पत्नी है, किसी की बेटी है तो किसी की बहन। ऐसे में यह समझ नहीं आता कि कोई व्यक्ति किसी दूसरी महिला को इतनी घटिया भाषा में संबोधित करने के बाद अपने घरवालों के सामने किस तरह खड़ा होता होगा। मेरे लिए यह सिर्फ एक सोशल मीडिया कमेंट नहीं है, बल्कि महिलाओं के प्रति सोच का सवाल है।'' श्वेता ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, ''मैंने अपनी पूरी जिंदगी महाराष्ट्र में बिताई है। मेरे पिता की परवरिश भी मुंबई में हुई है। बचपन से मैंने महाराष्ट्र की संस्कृति को करीब से देखा है और हमेशा यह माना है कि मराठी संस्कृति महिलाओं की इज्जत, उनकी ताकत और उनकी गरिमा को महत्व देती है। ऐसे में जब मैं सोशल मीडिया पर खुद को ‘मराठी माणूस’ बताने वाले लोगों की ओर से महिलाओं के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए देखती हूं, तो मुझे और ज्यादा दुख होता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मुझे गालियां देने वाले कुछ लोग राज ठाकरे या उनकी पार्टी के समर्थक होने की बात कर रहे थे।”

सार समाचार

अलास्का में चार्टर एयरक्राफ्ट क्रैश, प्लेन में सवार सभी आठ लोगों की मौत

अमेरिका के अलास्का में एक चार्टर एयरक्राफ्ट हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में प्लेन में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। यूएस मिलिट्री ने कहा कि आठ लोगों को ले जा रहा एक चार्टर एयरक्राफ्ट पश्चिमी अलास्का में एक दूर के रडार साइट पर क्रैश हो गया, जिससे उसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई। यह क्रैश गुरुवार को अलास्का के एंकोरेज से लगभग 450 मील (725 किलोमीटर) पश्चिम में केप न्यूएनहैम लॉन्ग रेंज रडार साइट एयरपोर्ट पर हुआ। अलास्का रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर ने कहा कि केप न्यूएनहैम लॉन्ग रेंज रडार साइट के पास एक "एयरक्राफ्ट घटना" की रिपोर्ट मिलने के बाद उसने एक सर्च और रेस्क्यू मिशन शुरू किया। अमेरिकी एयर फोर्स के लेफ्टिनेंट जनरल रॉबर्ट डेविस ने कहा, "यह हमारे मिलिट्री परिवार और जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनके लिए बहुत बड़ा नुकसान है।" वह अलास्का कमांड, अलास्का नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड रीजन और इलेवन्थ एयर फोर्स के कमांडर हैं। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अलास्का रीजन चीफ क्लिंट जॉनसन ने कहा कि प्लेन में दो पायलट और छह पैसेंजर सवार थे। उन्होंने कहा कि प्लेन ने एंकरेज से उड़ान भरी थी और माना जा रहा है कि गुरुवार दोपहर केप न्यूएनहैम के पास क्रैश हो गया। अलास्का की सीनेटर लिसा मुर्कोव्स्की ने भी घटना पर दुख जाहिर किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "आज केप न्यूएनहैम में हुए प्लेन क्रैश के बारे में जानकर मैं अलास्का के लोगों के साथ अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।"

यूक्रेन का रूस पर बड़ा ड्रोन हमला, तेल रिफाइनरी और सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

यूक्रेन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ लंबी दूरी के हमलों को जारी रखने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात यूक्रेनी हमलों में रूस के पर्म तेल रिफाइनरी, मैरिनोवका सैन्य हवाई अड्डे और अन्य सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''हम युद्ध के परिणामों को वहीं वापस पहुंचाने के लिए अपनी लंबी दूरी वाली प्रतिबंध और जवाबी कार्रवाई की रणनीति जारी रखे हुए हैं, जहां से यह युद्ध शुरू हुआ था। बीती रात हमारे लंबी दूरी के हमलों ने सीमा से 1,600 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित 'पर्म' की तेल रिफाइनरी और रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र में मौजूद 'मैरिनोवका' सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया। काला सागर के क्षेत्र में भी हमें कुछ परिणाम मिले हैं।''

भारत-लेबनान के द्विपक्षीय संबंधों की हुई समीक्षा, दोनों पक्षों ने सहयोग मजबूत करने पर की चर्चा

बेरूत। भारत के विदेश मंत्रालय में सचिव (सीपीवी और ओआईए) श्रीप्रिया रंगनाथन ने शुक्रवार को बेरूत में लेबनान के विदेश मंत्रालय के सेक्रेटरी जनरल अब्देल सत्तार इस्सा से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने भारत-लेबनान के संबंधों के पूरे पहलू की समीक्षा की। लेबनान में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "राजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन ने आज (शुक्रवार) लेबनान के विदेश मंत्रालय के महासचिव राजदूत अब्देल सत्तार इस्सा से मुलाकात की। उन्होंने भारत-लेबनान द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयामों की समीक्षा की और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने क्षेत्र में उभरती स्थिति पर भी चर्चा की।" सचिव रंगनाथन ने एक्स पर लिखा, "बेरूत में आकर और महासचिव राजदूत अब्दुल सत्तार इस्सा से मिलकर अपने सभी पहलुओं में हमारे द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करके अपनी व्यस्तताओं की शुरुआत करके प्रसन्नता हो रही है।" भारतीय राजनयिक ने लेबनान की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष नबीह बेरी से भी मुलाकात की और संसदीय आदान-प्रदान सहित भारत-लेबनान साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की। वह 16 से लेकर 21 अगस्त तक मिस्र, फिलिस्तीन और लेबनान की अपनी आधिकारिक यात्रा के आखिरी पड़ाव पर हैं। यह भारत-फिलिस्तीन विकास साझेदारी में एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ।

पायलट को नहीं दिखा रनवे, घने कोहरे के बीच लैंडिंग की दूसरी कोशिश भी नाकाम, अलास्का मिलिट्री एयरपोर्ट पर चार्टर प्लेन क्रैश

अलास्का। अलास्का मिलिट्री एयरपोर्ट पर हुए विमान हादसे को लेकर जो शुरुआती जानकारी सामने आई है, वह काफी चौंकानेवाली है। बताया जाता है कि जिस वक्त विमान क्रैश हुआ उस वक्त इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था। पायलट को रनवे बिल्कुल नजर नहीं आ रहा था। इस हादसे में एक छोटा विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरनेवालों में 6 यात्री और दो क्रू मेंबर भी शामिल हैं। यह हादसा अलास्का के सुदूर मिलिट्री एयरपोर्ट पर हुआ। एयरपोर्ट के पास घना कोहरा छाए रहने की वजह से विमान की पहली लैंडिंग फेल हो गई थी। दूसरी कोशिश के दौरान यह विमान क्रैश हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने बताया कि घने कोहरे की वजह से पायलट को रनवे नहीं नजर आ रहा था। लैंडिंग के दौरान पायलट पूरी तरह से इंस्ट्रूमेंट्स पर निर्भर था। अलास्का के एंकरेज से लगभग 450 मील (725 किलोमीटर) पश्चिम में केप न्यूएनहैम लॉन्ग रेंज रडार साइट एयरपोर्ट पर यह हादसा हुआ। इस हादसे में मारे गए दो पायलटों और छह यात्रियों की तुरंत पहचान नहीं हो पाई है। बताया गया कि मरने वालों में अमेरिकी आर्मी कोर ऑफ इंजीनियर्स के दो कर्मचारी भी शामिल थे। अलास्का के सुदूर इलाके में यह रडार साइट 1950 के दशक में सोवियत यूनियन के मिसाइल हमले की पहले से चेतावनी देने के लिए बनाए गए नेटवर्क के हिस्से के तौर पर बनाई गई थी। आज इस साइट का इस्तेमाल रूस, नॉर्थ कोरिया और चीन की हरकतों पर आसमानी नजर रखने के लिए होता है। यह एयरस्ट्रिप पहाड़ की ढलान पर बजरी से बनी हुई है। यहां पर लैंडिंग के दौरान पायलटों को सावधानी बरतनी पड़ती है। फ़ेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से पायलटों को सलाह दी गई है कि वे इस एयरपोर्ट पर लैंड करते समय GPS और दूसरे इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल करें। जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त मौसम तेजी से था और इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था।

यूक्रेन के क्रिवी रिह में रूस का घातक डबल-टैप ड्रोन हमला : 15 की मौत, 130 घायल, राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बताया घिनौना कृत्य

रिह। यूक्रेन के द्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र स्थित क्रिवी रिह शहर में एक व्यस्त शॉपिंग सेंटर पर रूस के भीषण ड्रोन हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 130 लोग घायल हुए हैं। घायलों में 23 बच्चे भी शामिल हैं और कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने गृह नगर में हुए इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे "बेहद निंदनीय और घिनौना" करार दिया। अधिकारियों के अनुसार, हमला दिन के समय दो चरणों में 'डबल-टैप' रणनीति के तहत किया गया। पहले ड्रोन हमले के बाद जब बचाव और राहत दल मौके पर आग बुझाने और घायलों को निकालने में जुटे थे, ठीक उसी समय दूसरा ड्रोन सीधे जलते हुए शॉपिंग सेंटर से टकराया ताकि बचाव कर्मियों को हताहत किया जा सके। द्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जिनमें दो लोगों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा। अस्पताल में भर्ती 130 घायलों में से 29 की स्थिति अत्यंत गंभीर है, जिससे मरने वालों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। शॉपिंग सेंटर के मलबे में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। खोज और बचाव कार्य को तेज करने के लिए यूक्रेन के चार अन्य पड़ोसी इलाकों से विशेष आपदा प्रबंधन दलों को तत्काल क्रिवी रिह भेजा गया है। रूसी सेना की ओर से इस हमले को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हमला दिन के समय दो चरणों में किया गया। इसे 'डबल-टैप' रणनीति बताया जा रहा है। आरोप है कि पहले ड्रोन हमले के बाद शॉपिंग सेंटर में आग लग गई और राहत एवं बचाव दल आग बुझाने तथा घायलों को बाहर निकालने में जुट गए। इसी दौरान दूसरा ड्रोन कथित तौर पर जल रहे शॉपिंग सेंटर से टकराया। अधिकारियों का आरोप है कि इस हमले का उद्देश्य घटनास्थल पर मौजूद बचावकर्मियों को भी निशाना बनाना था। द्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इनमें दो लोगों ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा। अस्पतालों में भर्ती 130 घायलों में से 29 की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हमले के बाद शॉपिंग सेंटर का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

यूक्रेन में जेंलेस्की के शहर पर रूस का भीषण हमला, शॉपिंग मॉल पर ड्रोन अटैक में 14 लोगों की मौत

यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में रूस ने शॉपिंग मॉल पर बड़ा हमला किया है और इसमें 14 यूक्रेनी लोगों की मौत की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को सेंट्रल यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में एक शॉपिंग सेंटर पर रूसी ड्रोन से अटैक हुआ, जिसमें 14 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। बता दें क्रिवी रिह शहर, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का गृहनगर है। इस हमले को 'डबल-टैप स्ट्राइक' बताया जा रहा है, जिसमें ड्रोन का पहला जत्था पहले आया और उसके बाद बचाव कर्मियों के रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने पर ड्रोन्स का दूसरा जत्था भी आ गया। वोलोडिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'रूस ने Kryvyi Rih में एक शॉपिंग सेंटर पर बेहद बेरहम हमला किया। हमलावर ड्रोन ने दो बार में हमला किया, पहले हमले और आग लगने के आधे घंटे बाद, दूसरा हमला इमरजेंसी सर्विस वालों को निशाना बनाकर किया गया। मारे गए लोगों के परिवारों और उनके करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। सभी घायलों का जरूरी इलाज किया जा रहा है। इस तरह के हमले किसी भी तरह से आतंकवादी हमलों से कम नहीं हैं। और दुनिया को इनका उसी तरह जवाब देना चाहिए। शांति के लिए जरूरी है कि रूस को अपनी हरकतों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए।' स्थानीय प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विल्कुल ने बताया कि मरने वालों की संख्या 14 तक पहुंच गई हैं। इसमें 121 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 22 बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उस अटैक में रूस ने कई मिसाइलों और ड्रोनों का प्रयोग किया था, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी।

म्यांमार में बौद्ध मठ पर सेना ने किया हवाई हमला, 14 लोगों की मौत; 20 घायल

म्यांमार की सेना ने शुक्रवार को मध्य सगाइंग इलाके में एक बौद्ध मठ पर हवाई हमला किया। इस हमले में एक हफ्ते तक चलने वाले मेडिटेशन कैंप में शामिल 14 लोगों की मौत हो गई। इस घटना ने संघर्ष से जूझ रहे देश में हवाई हमलों के कारण आम नागरिकों की मौत को लेकर बढ़ती चिंताओं को और बढ़ा दिया है। यह हमला म्यांमार के दूसरे सबसे बड़े शहर मांडले से लगभग 75 किलोमीटर पश्चिम में स्थित म्याउंग टाउनशिप के स्वेल ले ओह गांव में सुबह करीब 9 बजे (स्थानीय समय) हुआ। यह जानकारी म्याउंग टाउनशिप के सिविल डिफेंस एंड सिक्योरिटी ऑर्गनाइजेशन (CDSOM) के प्रवक्ता न्वे ऊ ने दी। न्वे ऊ ने बताया कि जब लोग एक ट्रिटीट में हिस्सा ले रहे थे, तब एक जेट फाइटर ने गांव के मठ के परिसर में बम गिराया। इस हमले में तीन महिलाओं समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य लोग घायल हो गए। मठ में एक हफ्ते तक चलने वाला मेडिटेशन रिट्रीट चल रहा था, तभी यह हवाई हमला हुआ और लोगों का जमावड़ा एक जानलेवा हमले की जगह में बदल गया। मारे गए लोगों की पहचान और घायलों की हालत के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। यह हमला म्यांमार में जारी लड़ाई के बीच हुआ है, जहां सेना अक्सर लोकतंत्र-समर्थक सशस्त्र समूहों और जातीय सशस्त्र संगठनों के खिलाफ हवाई ताकत का इस्तेमाल करती रही है। विपक्षी समूहों और स्थानीय लोगों के अनुसार, इस तरह के सैन्य अभियानों में बार-बार आम नागरिकों की मौतें हुई हैं और लोग घायल हुए हैं। सगाइंग उन इलाकों में से एक रहा है जो म्यांमार की सेना और सैन्य शासन का विरोध करने वाली ताकतों के बीच लड़ाई से प्रभावित है। म्यांमार सेना, लोकतंत्र-समर्थक ताकतों और जातीय सशस्त्र समूहों के बीच सशस्त्र संघर्ष की चपेट में है। हवाई हमले इस लड़ाई का एक आम हिस्सा बन गए हैं, और विपक्षी समूह अक्सर आम नागरिकों के हताहत होने की खबरें देते रहते हैं।

लोकतंत्र खत्म करने के लिए हुआ था बंगबंधु एवेन्यू पर हमला, देश के इतिहास का सबसे क्रूर अध्याय

ढाका। ढाका के बंगबंधु एवेन्यू में अवामी लीग की रैली पर हुए 2004 के घातक ग्रेनेड हमले की 22वीं बरसी पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस घटना को देश के इतिहास के सबसे 'क्रूर और शर्मनाक' अध्यायों में से एक बताया। अवामी लीग के अनुसार, इस हमले में पार्टी और उससे जुड़े संगठनों के 24 नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौत हो गई थी, जबकि 300 से अधिक लोग ग्रेनेड के छर्रों से घायल हुए थे। मारे जाने वालों में उस समय की महिला अवामी लीग प्रमुख इवी रहमान भी शामिल थीं, जो बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जिल्लुर रहमान की पत्नी थीं। उस समय विपक्ष की नेता रहीं शेख हसीना इस हमले में बाल-बाल बच गई थीं, हालांकि उनके कान में चोट लगी थी, जिसकी तकलीफ उन्हें आज भी है। अवामी लीग ने आरोप लगाया कि 21 अगस्त 2004 को हुआ यह 'बर्बर हमला' आतंकवादी संगठन हरकत-उल-जिहाद (हूजी) ने उस समय की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के इशारे पर किया था। अवामी लीग की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य बांग्लादेश की लोकतांत्रिक राजनीति को नुकसान पहुंचाना था। हसीना ने कहा, "इस हमले का मकसद हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खत्म करना और फिर से टकराव की राजनीति को मुख्यधारा में लाना था। आज हमें यह कहकर बदनाम किया जाता है कि हमने बांग्लादेश में लोकतंत्र को नष्ट किया।"

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को अमेरिकी क्षेत्र मानता हूं : डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को कड़ी चेतावनी

कैरोलाइना। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी गतिरोध के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा है कि वह रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' (Strait of Hormuz) को अब अमेरिकी क्षेत्र (US Territory) के तौर पर देखते हैं। साउथ कैरोलाइना में एक रैली के दौरान दिए गए इस बयान के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और गहराने की आशंका जताई जा रही है। ट्रंप ने कहा कि ईरान वार्ता और समझौते की इच्छा तो रखता है, लेकिन उनकी राय में तेहरान अभी किसी उचित और सही समझौते के लिए तैयार नहीं दिख रहा है। उन्होंने दो टूक शब्दों में दोहराया कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार विकसित या हासिल नहीं करने देगा। ट्रंप ने कड़े लहजे में चेतावनी दी कि अगर ईरान ने ऐसा करने की कोशिश की, तो इसके परिणाम "बहुत बुरे" होंगे। ट्रंप का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में आया है जब खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सेना की मौजूदगी लगातार बनी हुई है और वाशिंगटन तेहरान पर आर्थिक घेराबंदी सख्त कर रहा है। अमेरिका जल्द ही ईरान पर अतिरिक्त आर्थिक पाबंदियां लगाने जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इन नए प्रतिबंधों की जद में चीन सहित वे देश भी आएंगे जो ईरान के साथ बड़े स्तर पर व्यापारिक लेन-देन कर रहे हैं। जब ट्रंप से यह पूछा गया कि क्या सिर्फ "आर्थिक दबाव" बनाने का मतलब यह है कि अमेरिका के सैन्य विकल्प सीमित हो गए हैं, तो उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सैन्य विकल्प पूरी तरह खुले हैं और अमेरिका स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

अमेरिका-कनाडा के विदेश मंत्रियों की मुलाकात, वेनेजुएला और आर्कटिक सुरक्षा पर हुई चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान हैती, वेनेजुएला, आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा और क्यूबा में सुधारों जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों पड़ोसी देशों ने साझा क्षेत्रीय प्राथमिकताओं पर आपसी तालमेल और सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में बात की। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, बातचीत में सुरक्षा और आर्थिक मुद्दों के साथ-साथ पश्चिमी गोलार्ध से जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। बैठक में हैती से जुड़े 'स्टैंडिंग ग्रुप ऑफ पार्टनर्स' के तहत अमेरिका और कनाडा की साझेदारी को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। रुबियो की ओर से दोहराई गई साझा प्राथमिकताओं में हैती का मुद्दा सबसे पहले रखा गया। वॉशिंगटन और ओटावा इस समूह के माध्यम से कैरेबियाई देश हैती के संबंध में अपने प्रयासों का लगातार समन्वय करते आ रहे हैं। दोनों मंत्रियों ने वेनेजुएला को भूकंप के बाद दी जाने वाली आपातकालीन सहायता पर भी चर्चा की। वेनेजुएला और क्यूबा उन दो देशों में शामिल थे जिनसे जुड़े मुद्दों पर बैठक में विशेष रूप से बात हुई। इससे साफ है कि पूरे अमेरिकी महाद्वीप क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं। क्यूबा के बारे में रुबियो ने अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार 'तत्काल, महत्वपूर्ण और ऐसे सुधारों' की जरूरत पर जोर दिया जिन्हें वापस न लिया जा सके। यह ऐसा क्षेत्र है जहां अमेरिका और कनाडा के महत्वपूर्ण क्षेत्रीय, रक्षा और रणनीतिक हित जुड़े हुए हैं।

खेल समाचार

सिनसिनाटी ओपनः इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंची, एलेना रयबाकिना इंजरी की वजह से बाहर

सिनसिनाटी। एलेना रयबाकिना को सिनसिनाटी ओपन क्वार्टर फाइनल मैच से बाएं टखने में चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इंजरी की वजह से जहां वह टूर्नामेंट से बाहर हो गई, वहीं उनकी विपक्षी इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंच गई। मैच के दौरान स्वियाटेक 4-1 से आगे थीं और रयबाकिना 40-15 पर सर्व कर रही थीं। उसी समय रयबाकिना के लिए मुश्किल शुरू हुई। रयबाकिना नेट पर एक रैली खत्म नहीं कर सकीं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पॉइंट पर उन्हें अपनी पहली सर्व पर पुश करने में मुश्किल हुई, जो सिर्फ तीन शॉट तक चली, और गेम के बीच में मेडिकल जांच के बाद, रयबाकिना ने कुछ देर बाद मैच खत्म करने का फैसला किया। रयबाकिना ने कहा, "मुझे अच्छा नहीं लग रहा है, मैं सर्व से पुश भी नहीं कर पा रही थी। चलने में दर्द हो रहा है। एमआरआई के बाद समस्या के बारे में और पता चलेगा।" उन्होंने कहा, "यह मुझे लंबे समय से परेशान कर रहा था। कनाडा में बहुत सारे मैच खेलने और यहां लगातार दो मैच खेलने के बाद और मैच से पहले ठीक लग रहा था लेकिन बदकिस्मती से एक गलत मूवमेंट, एक लैंडिंग, और समस्या शुरू हो गई।" बुधवार को चौथे राउंड में सारा बेजलेक से सबालेंका के हारने के बाद, रयबाकिना को वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग लेने के लिए सिनसिनाटी में फाइनल में पहुंचना था।

कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने टीम इंडिया और श्रीलंका क्रिकेट टीम की मेजबानी की

कोलंबो। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलंबो में श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले इंडिया हाउस में भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी की। भारतीय उच्चायुक्त झा ने गुरुवार रात भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी दी है और इसे एक 'यादगार शाम' बताया है। बीसीसीआई ने अपने एक्स में लिखा, "कोलंबो में एक यादगार शाम। श्रीलंका में इंडिया के उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो के इंडिया हाउस में भारतीय टीम की मेजबानी की।" झा ने दोनों टीमों की मेजबानी करके खुशी जाहिर की और कार्यक्रम की कुछ झलकियां एक्स पर साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "टीम इंडिया के साथ चीयर कर रहा हूं। श्रीलंका में चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैचों के दौरान भारतीय और श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके खुशी हो रही है। खेल के लिए एक जैसे जुनून से बंधा, क्रिकेट भारत और श्रीलंका के बीच हमेशा रहने वाले रिश्तों को और मजबूत कर रहा है।" भारत ने गाले में पहले टेस्ट में 165 रन की बड़ी जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। गाले टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाए थे।

लॉजेन डायमंड लीगः नीरज चोपड़ा को श्रीलंका के रुमेश पाथिरगे से फिर मिलेगी चुनौती

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रजत पदक जीतने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा शुक्रवार को लॉजेन डायमंड लीग में एक बार फिर से अपना दमदार प्रदर्शन दिखाने को तैयार हैं। लॉजेन डायमंड लीग बेहद रोमांचक होगी। इस इवेंट में कई ओलंपिक, वर्ल्ड और यूरोपियन चैंपियन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पुरुषों की जैवलिन स्पर्धा में दक्षिण एशिया के दो सबसे बड़े स्टार भारत के नीरज चोपड़ा और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरगे, एक बार फिर आमने-सामने होंगे। नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड के स्टेड ओलंपिक डे ला पोंटेस में होने वाली लॉजेन डायमंड लीग 2026 में टॉप पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। लॉजेन में चोपड़ा चौथी बार उतरेंगे। यह लीग चोपड़ा का 2026 एथलेटिक्स सीजन का तीसरा प्रतियोगी इवेंट है। श्रीलंका के पाथिरगे ने जून में रोम में 92.62 मीटर के साथ ब्रुसेल्स में होने वाले फाइनल में अपनी जगह बुक कर ली है। वहीं, पूर्व ओलंपिक और डायमंड लीग चैंपियन चोपड़ा स्टैंडिंग में पीछे हैं। उन्हें लॉजेन में एक बड़े करिश्माई थ्रो की जरूरत है। नीरज कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 जैसे ही एक मजबूत फील्ड में यूरोपियन स्टार्स के साथ मुकाबला करेंगे। पिछले चार ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले पांच जेवलिन सुपरस्टार्स 21 अगस्त को एक दूसरे को कड़ी टक्कर देंगे। इवेंट में नीरज चोपड़ा और पाथिरगे के अलावा त्रिनिदाद एंड टोबैगो के वालकॉट और ग्रेनाडा के पीटर्स हिस्सा ले रहे हैं। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने इवेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। मैच भारतीय समयानुसार शुक्रवार रात 11:52 से शुरू होगा। लॉजेन डायमंड लीग 2026 की भारत में डायमंड लीग की आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर लाइव प्रसारित होगी।

अंडर 20 रेसलिंग चैंपियनशिप : काजल बनीं वर्ल्ड चैंपियन, लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड मेडल

स्लोवाकिया। भारतीय महिला रेसलर काजल ढोचक ने ग्लोबल स्टेज पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्लोवाकिया में अंडर 20 रेसलिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में 76 किलोग्राम कैटेगरी में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। काजल की इस ऐतिहासिक जीत के साथ-साथ महिला रेसलिंग के रोमांचक दिन में भारत ने तनु शर्मा और सविता के जरिए दो अहम सिल्वर मेडल भी जीते। 18 साल की काजल ने 76 किलोग्राम चैंपियनशिप मुकाबले में हिस्सा लिया। उन्होंने चीन की जिंगरू सन के खिलाफ शानदार खेल दिखाते हुए 7-0 से (वीपीओ) जीत हासिल की और विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के भारत की सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों में से एक के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत किया है। काजल के शानदार रिकॉर्ड में पहले से ही 2024 अंडर 17 वर्ल्ड चैंपियनशिप (69 किलोग्राम) और 2025 अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप (72 किलोग्राम) के टाइटल शामिल हैं। काजल ने 2025 में 72 किलोग्राम में गोल्ड जीतने के बाद इस साल अपना वेट क्लास बदला और 76 किलोग्राम में मुकाबला किया। वह भारतीय रेसलर लगातार दूसरी बार अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियन बनी है। वह अपने देश की दूसरी ऐसी रेसलर हैं, जिन्होंने इस लेवल पर दो बार गोल्ड मेडल जीता है। पूरे टूर्नामेंट में काजल ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए खिताब को अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने चीन की जिंगरू सन को 7-0 से हराया। यह मुकाबला अंडर 20 एशियन चैंपियनशिप के शुरुआती राउंड के मुकाबले जैसा ही था, जिसे काजल ने जीता था। 2026 में यह उनका लगातार पांचवां गोल्ड मेडल है। इस साल उन्होंने तिराना रैंकिंग सीरीज और एशियन चैंपियनशिप में सातवां स्थान भी हासिल किया था। इसके बाद से काजल ने अंडर 23 एशियन चैंपियनशिप, उलानबटार रैंकिंग सीरीज, अंडर 20 एशियन चैंपियनशिप, बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज और गुरुवार को अंडर 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीते हैं। काजल ने जापान की मियू ताकायामा के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत की और उन्हें पिन करके हराया। इसके बाद उन्होंने तुर्की की एल्मिरा यासिन को 14-0 से और सेमीफाइनल में अमेरिका की पाइपर फाउलर को 6-0 से हराया। फाइनल में काजल के लगातार दबाव बनाने के कारण सुन शुरू से ही बैकफुट पर रहीं। उन्होंने पहला 'स्टेप-आउट' करके 1-0 की बढ़त बनाई, फिर 'डबल-लेग अटैक' से दो प्वाइंट का 'टेकडाउन' हासिल किया और ब्रेक तक 3-0 की बढ़त बना ली। दूसरे पीरियड में 'ओपन हैंड्स' (खुले हाथों से लड़ने) के लिए सुन को चेतावनी दी गई, जिससे काजल के स्कोर में एक और प्वाइंट जुड़ गया। थकी हुई सुन ने मैट के बीच में बने रहने की कोशिश की, लेकिन काजल उन्हें बाहर धकेलने और 'टेकडाउन' स्कोर करने में सफल रहीं, जिससे उनकी बढ़त 7-0 हो गई और यही जीत का स्कोर भी रहा। काजल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ भारतीय महिला रेसलिंग के लिए दिन और भी खास रहा। तनु शर्मा और सविता ने भी अपने-अपने मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के खाते में दो रजत पदक जोड़े। 18 वर्षीय काजल ने प्रतियोगिता में शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने जापान की मियू ताकायामा को पिन के जरिए हराकर अभियान की शुरुआत की।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान टेस्ट का खेल खराब, बारिश ने कर दिया गड़बड़

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान पहला टेस्ट मैच संकट में फंस गया है। पहले दिन का खेल तो हो गया, लेकिन दूसरे दिन का खेल शुरू ही नहीं हो पाया। सुबह जब मैच शुरू होने का वक्त था, उसी वक्त बारिश आ गई और मैच में खलल पड़ गया। हालांकि अभी मैच में वक्त काफी बाकी है, लेकिन अगर ये सिलसिला यूं ही जारी रहा तो फिर इसका नतीजा निकल पाएगा, इसकी संभावना काफी कम है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस वक्त इंग्लैंड के दौरे पर है। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले के पहले दिन का तो खेल हुआ। इसमें पूरी पाकिस्तानी टीम सस्ते में आउट हो गई। पूरी टीम केवल 171 रन पर ही आउट हो गई। अब्दुल्ला शफीक ने जरूरत 61 रन बनाए, बाकी कोई बल्लेबाज 50 के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। इसके बाद जब इंग्लैंड की पारी शुरू हुई तो उनका भी हाल कुछ ऐसा ही था। टीम के दो विकेट केवल 48 रन पर ही गिर गए थे। जब पहले दिन का खेल खत्म हुआ, तब जॉर्डन कॉक्स 23 और कप्तान जो रूट 37 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद उम्मीद की जा रही थी कि दूसरे दिन रोचक मैच होगा, लेकिन बारिश ने ऐसा नहीं होने दिया। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका पर नजर डाली जाए तो पता चलता है कि इंग्लैंड की टीम 24.36 के पीसीटी के साथ सातवें और पाकिस्तान 22.22 के पीसीटी के साथ आठवें नंबर पर है। ये मैच अगर पूरा होता तो जीतने वाली टीम का पीसीटी बढ़ जाता, लेकिन अब मैच पर ही संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जो रूट को फिर से इंग्लैंड का कप्तान बनाया गया है। हालांकि वे लंबे समय तक पहले भी कप्तान रहे हैं, लेकिन उसके बाद उन्होंने जब इस जिम्मेदारी को छोड़ा तो बेन स्टोक्स को नया कप्तान बनाया गया। उनके कार्यकाल में टीम ने कुछ खास नहीं किया। अब जो रूट फिर से कप्तान बनकर क्या करेंगे, ये देखना होगा। इस बीच मैच में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भी नहीं खेल रहे हैं। वो चोटिल हो गए थे। इसलिए उनकी जगह टीम की कमान सलमान अली आगा संभाल रहे हैं। बारिश के कारण हेडिंग्ले टेस्ट का दूसरा दिन पूरी तरह प्रभावित होने से मुकाबले का रोमांच फिलहाल थम गया है।

जो रूट ने की सचिन तेंदुलकर के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी, इतिहास रचने से अब सिर्फ एक कदम दूर

इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हेडिंग्ले के स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच के दूसरे दिन के खेल में इंग्लैंड टीम की पहली पारी में उनके कप्तान जो रूट के बल्ले से 66 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी देखने को मिली। इसके दम पर जो रूट ने सचिन तेंदुलकर के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारियां खेलने के वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। वहीं रूट अपनी इस पारी में तीन रन और बना लेते तो घर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के रिकी पोंटिंग के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ देते जो अब उनके पास अगली पारी में तोड़ने का मौका रहने वाला है। बेन स्टोक्स के रिटायरमेंट लेने के बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी फिर से संभालने वाले जो रूट ने बल्ले से काफी शानदार शुरुआत की है। पाकिस्तान के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट मैच में अपनी 66 रनों की पारी में जो रूट ने 112 गेंदों का सामना किया जिसमें वह 10 चौके भी लगाने में कामयाब रहे। रूट का यह 167वां टेस्ट मुकाबला है जिसकी 305वीं पारी में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने टेस्ट में 68वां अर्धशतक लगाया है। सचिन तेंदुलकर जिनके रिकॉर्ड को रूट ने बराबर किया है उन्होंने 200 टेस्ट मैचों में 68 फिफ्टी लगाई थी। रूट अब एक और फिफ्टी लगाने के साथ सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ पहली पोजीशन को हासिल कर लेंगे। टेस्ट क्रिकेट में बतौर कप्तान जो रूट अब सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस रनों की पारियां खेलने के मामले में क्लाइव लॉयड को पीछे छोड़ टॉप-5 में एंट्री कर गए हैं। रूट ने जैसे ही हेडिंग्ले टेस्ट में अपनी फिफ्टी पूरी की तो यह उनकी बतौर कप्तान 42वीं फिफ्टी प्लस रनों की पारी थी। इस लिस्ट में पहली पोजीशन पर साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ हैं जिनके बल्ले से बतौर कप्तान टेस्ट में 61 फिफ्टी प्लस रनों की पारियां देखने को मिली थी। जो रूट की इस पारी ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में एक बार फिर खास मुकाम पर पहुंचा दिया।

'अभी हम रुकने वाले नहीं हैं', बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल पक्का करने के बाद बोलीं त्रिसा-गायत्री

नई दिल्ली। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में विश्व की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यी फैन और झांग शू जियान के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही वे सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं और टूर्नामेंट में भारत का पहला मेडल पक्का हो गया है। चीनी जोड़ी के खिलाफ पहला गेम हारने के बाद, भारतीय जोड़ी ने यादगार वापसी करते हुए यह रोमांचक मुकाबला 16-21, 21-15, 21-13 से जीता। इस जीत ने 2011 के बाद से महिला डबल्स में भारत का पहला मेडल भी पक्का कर दिया। 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। चीनी खिलाड़ियों के खिलाफ 70 मिनट तक चले मुकाबले के बाद त्रिसा और गायत्री ने जिया और झांग को पहली बार हराने पर बात की और कहा कि उनका सफर अभी रुकने वाला नहीं है। जीत के बाद त्रिसा ने पत्रकारों से कहा, "हम बहुत खुश हैं कि हमने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई और मेडल पक्का किया, लेकिन सफर अभी यहीं खत्म नहीं हो रहा है। कल भी हमारे मैच है।"

मिचेल स्टार्क ने दूसरे टेस्ट में गेंद से बरपाया कहर, सिर्फ 22 गेंदों में पूरा किया 5 विकेट हॉल

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला मैके में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच के पहले दिन ही ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने नई गेंद से कहर बरपाया है। मुकाबले में में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतने के बाद बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। इस मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेकर स्टार्क ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलाई। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने सिर्फ 22 गेंद में अपना पंजा खोला। हाल ही में स्टार्क टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बने थे। मैके में मिचेल स्टार्क ने अपने पांच विकेट हॉल के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में विकेट के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है। स्टार्क के अब टेस्ट फॉर्मेट में 440 विकेट हो गए हैं। वहीं, डेल स्टेन की बात करें तो उन्होंने 93 टेस्ट में 439 विकेट अपने नाम किए थे। स्टार्क अब सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप-10 में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुनिया के 5वें और ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ दूसरे तेज गेंदबाज भी बने हैं।

लीड्स टेस्ट : ब्रूक-कॉक्स की दमदार पारी, 409 रनों पर सिमटी इंग्लैंड की पहली इनिंग

लीड्स। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। पहली पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 409 रन बनाकर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 238 रनों की विशाल बढ़त हासिल की है। इंग्लैंड की तरफ से हैरी ब्रूक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 93 गेंदों में 91 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ब्रूक ने 13 चौके लगाए। कप्तान जो रूट भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। रूट ने 112 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाए। वहीं, जॉर्डन कॉक्स ने 73 रनों की बढ़िया पारी खेली। डैन लॉरेंस भी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 79 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाए। लॉरेंस ने अपनी इस पारी में 9 चौके लगाए। एमिलियो गे ने 33 रनों का योगदान दिया, जबकि जैमी स्मिथ ने 25 रन बनाए। जोफ्रा आर्चर 25 गेंदों में 23 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, जोश टंग 8 रन बनाकर खुर्रम शहजाद की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। पाकिस्तान की ओर से स्पिन गेंदबाज अली उस्मान ने 95 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि खुर्रम ने 3 विकेट अपने नाम किए। मोहम्मद अली और मोहम्मद अब्बास ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले, पाकिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में 171 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम की ओर से अब्दुल्ला शफीक ने सर्वाधिक 61 रन बनाए, जबकि इमाम-उल-हक ने 42 रनों का योगदान दिया। हालांकि, टीम के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। गेंदबाजी में इंग्लैंड की ओर से ओली रॉबिन्सन और जोश टंग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पांच-पांच विकेट अपने नाम किए। साल 2006 के बाद यह पहला मौका रहा, जब इंग्लैंड की ओर से एक ही पारी में दो गेंदबाजों ने 5 विकेट चटकाए। 2006 में यह कारनामा स्टीव हार्मिसन और मोंटी पनेसर ने किया था।

मानसून में बुखार हो तो कैसे पहचानें डेंगू, मलेरिया या वायरल फीवर? डॉक्टर से जानें कब जांच कराना चाहिए

मानसून आते ही सर्दी-जुकाम और बुखार का खतरा काफी बढ़ जाता है। मौसम में बदलाव के कारण ज्यादातर लोग बीमार पड़ते हैं। वहीं इस मौसम में डेंगू, मलेरिया का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। लेकिन कई बार ये पता कर पाना काफी मुश्किल होता है कि ये वायरल फीवर है या मलेरिया या फिर डेंगू। डेंगू, मलेरिया और वायरल संक्रमण के शुरुआती लक्षण कई बार एक जैसे दिखते हैं, इसलिए केवल लक्षणों के आधार पर बीमारी को पकड़ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में डॉ. नेहा रस्तोगी, सीनियर कंसल्टेंट, संक्रामक रोग विभाग, फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम ने बताया है कि कब जांच कराना चाहिए। डेंगू में अक्सर अचानक तेज बुखार, तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर और जोड़ों में तेज दर्द तथा अत्यधिक कमजोरी हो सकती है। कुछ मरीजों में मतली, उल्टी या त्वचा पर लाल चकत्ते भी दिखाई दे सकते हैं।

पेट में तेज दर्द, लगातार उल्टी, नाक या मसूड़ों से खून आना, असामान्य सुस्ती या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण गंभीर स्थिति के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। मलेरिया में बुखार के साथ ठंड लगकर कंपकंपी और फिर तेज गर्मी या पसीना आना देखा जा सकता है। सिरदर्द, कमजोरी, बदन दर्द और कभी-कभी उल्टी भी हो सकती है।

हालांकि हर मरीज में बुखार का यह लक्षण नज़र आए ये जरूरी नहीं। सामान्य वायरल संक्रमण में बुखार के साथ गले में खराश, खांसी, नाक बहना, शरीर में दर्द और थकान जैसे लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। फिर भी लक्षणों में काफी समानता होने के कारण स्वयं से बीमारी तय करना सही नहीं है। तेज बुखार कई दिनों तक बना रहे, बहुत ज्यादा कमजोरी हो, तेज सिरदर्द या कंपकंपी हो, या डेंगू/मलेरिया का जोखिम हो तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर स्थिति के अनुसार CBC, डेंगू की जांच, मलेरिया एंटीजन/स्मियर या अन्य जांच की सलाह दे सकते हैं।

जांच का सही समय भी बीमारी और टेस्ट पर निर्भर करता है। मानसून के मौसम में तापमान और नमी में बदलाव के साथ सर्दी-जुकाम, बुखार और वायरल संक्रमण के मामले बढ़ने लगते हैं। इसी दौरान मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

नेचुरली भी कम हो सकता है बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर

आजकल लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। कम उम्र में ही लोग हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीज बन रहे हैं। इसकी बड़ी वजह टेंशन और खान-पान की गलत आदतों को माना जाता है। हाई ब्लड प्रेशर शरीर के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है। इसलिए अपने ब्लड प्रेशर को हमेशा कंट्रोल में रखें। अगर आप हाई बीपी के मरीज हैं तो कुछ आदतों को लाइफ का हिस्सा बना लें। इससे आपको हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में बहुत मदद मिलेगी। आइये जानते हैं ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के नेचुरल तरीके क्या हैं?

व्यायाम करें- फिटनेस का मूल मंत्र है नियमित रूप से कोई न कोई व्यायाम करते रहना। इससे लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए भी रोजाना व्यायाम करना जरूरी है। इससे वजन कम होगा और बीमारियां भी कम होंगी। शरीर में ब्लड फ्लो अच्छा रहता है जिससे ब्लड प्रेशर लेवल भी ठीक बना रहता है। आप वॉक, डांस, सीढ़ी चढ़ना, साइकिल चलना या स्विमिंग कर सकते हैं।

नमक कम कर दें- हाई ब्लड प्रेशर के मरीज को नमक कम खाने की सलाह दी जाती है। नमक में सोडियम ज़्यादा होता है जिससे ब्लड और भी तेजी से दिमाग में पहुंचता है और इसी वजह से हाइपरटेंशन जैसे समस्या पैदा होती है। जिन लोगों को हाई बीपी की परेशानी है उन्हें नमक का सेवन सीमित करना चाहिए। शरीर में सोडियम ज्यादा होने से फेफड़ो की बीमारी, स्ट्रोक, अटैक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

शराब छोड़ दें- हाई ब्लड प्रेशर ही नहीं लिवर और किडनी की बीमारी में भी शराब जहर का काम करती है। हाइपरटेंशन के मरीज को शराब नहीं पीनी चाहिए।

बच्चों में कैंसर क्यों होता है? डॉक्टर से जानिए इसके मुख्य कारण क्या हैं?

कैंसर तेजी से फैलने वाली बीमारी बन चुकी है। बड़े ही नहीं बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। बच्चों में ल्यूकेमिया यानी ब्लड कैंसर के मामले ज्यादा सामने आते हैं। आइये डॉक्टर नरेंद्र अग्रवाल (हेमेटोलॉजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में हेमेटो-ऑन्कोलॉजी के सीनियर कंसल्टेंट और यूनिट हेड) से जानते हैं कि बच्चों में कैंसर होने के क्या कारण हैं। बच्चों में कैंसर के क्या लक्षण होते हैं और बच्चों को कैंसर से कैसे बचाया जा सकता है? बच्चों में कैंसर होने की सबसे बड़ी वजह शरीर की कोशिकाओं के DNA में होने वाले बदलाव (Mutation) हैं। यह समझना जरूरी है कि बच्चों और बड़ों के कैंसर में काफी फर्क होता है। बड़ों में कई तरह के कैंसर तंबाकू, शराब, मोटापा या लंबे समय तक कुछ हानिकारक पदार्थों के सेवन से हो सकते हैं। लेकिन बच्चों में होने वाले ज्यादातर कैंसर इन कारणों से नहीं होते। जब बच्चा बढ़ रहा होता है, तब उसके शरीर में नई कोशिकाएं बहुत तेजी से बनती हैं। इस दौरान कभी-कभी DNA की कॉपी बनने में छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। सामान्य तौर पर शरीर के DNA रिपेयर मैकेनिज्म और प्रतिरक्षा प्रणाली ऐसी ज्यादातर गलतियों को संभाल लेते हैं। लेकिन अगर कुछ जरूरी बदलाव ठीक नहीं हो पाते, तो कोशिकाओं की सामान्य वृद्धि पर असर डाल सकते हैं और समय के साथ कैंसर विकसित हो सकता है। ज्यादातर बच्चों में कैंसर का कोई एक मुख्य कारण पता नहीं चलता। कुछ मामलों में जन्म से यानि जेनेटिक और कुछ दुर्लभ आनुवंशिक बीमारियां जोखिम बढ़ा सकती हैं। हालांकि यह समझना जरूरी है कि ज्यादातर मामलों में इसका संबंध माता-पिता की किसी गलती, खान-पान या सामान्य जीवनशैली से नहीं होता। इसलिए अगर किसी बच्चे को कैंसर होता है, तो परिवार को खुद को दोषी नहीं मानना चाहिए। ल्यूकेमिया यानी ब्लड कैंसर बच्चों में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला कैंसर है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि बचपन में बोन मैरो बहुत सक्रिय रहता है। यही वह जगह है जहां खून की नई कोशिकाएं बनती हैं। बच्चे के बढ़ते शरीर को लगातार नई रक्त कोशिकाओं की जरूरत होती है, इसलिए Bone Marrow में कोशिकाएं तेजी से बनती और शरीर में विभाजित होती रहती हैं। बच्चों में कैंसर के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि बीमारी शरीर के किस हिस्से में है।

बात-बात पर आता है गुस्सा? भौंरे जैसी आवाज वाला ये प्राणायाम करेगा मन शांत

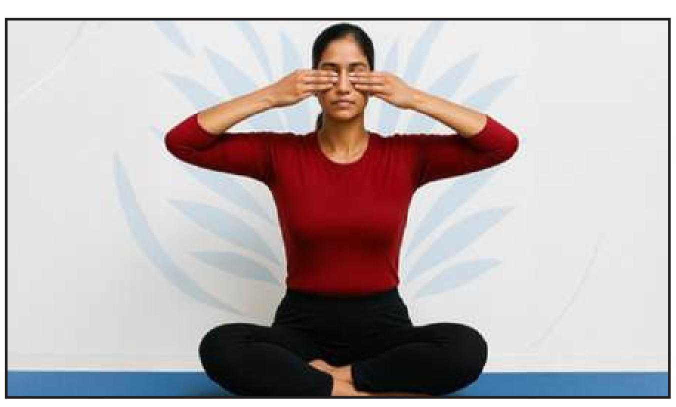

काम का दबाव, लगातार भागदौड़, नींद की कमी और छोटी-छोटी बातों को लेकर बढ़ती चिंता का असर हमारे मूड पर भी पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि किसी मामूली बात पर भी गुस्सा अचानक बढ़ जाता है। बाद में जब मन शांत होता है तो लगता है कि इतनी छोटी बात पर इतना गुस्सा करने की जरूरत ही नहीं थी। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो भ्रामरी प्राणायाम आपके लिए मददगार हो सकती है। भ्रामरी प्राणायाम में सांस छोड़ते समय भौंरे जैसी गुनगुनाहट की आवाज निकाली जाती है। इसी वजह से इसे भ्रामरी नाम दिया गया है। इसका अभ्यास करते समय व्यक्ति अपना ध्यान सांस और आवाज पर केंद्रित करता है।

इससे मन को कुछ देर के लिए रोजमर्रा की भागदौड़ और परेशान करने वाले विचारों से हटाकर भीतर की ओर लाने में मदद मिल सकती है। अगर किसी बात पर बहुत गुस्सा आ रहा हो, तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय कुछ देर शांत बैठकर गहरी सांस लेना और भ्रामरी का अभ्यास करना मन को स्थिर करने में सहायक हो सकता है। इससे व्यक्ति को अपनी भावनाओं पर थोड़ा ठहरकर सोचने का मौका भी मिलता है।

भ्रामरी प्राणायाम में धीमी और नियंत्रित सांस पर ध्यान दिया जाता है। इससे शरीर को रिलैक्स करने और मन को शांत करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए किसी शांत और आरामदायक जगह पर सुखासन की स्थिति में बैठ जाएं।

कमर और गर्दन सीधी रखें। दोनों अंगूठों से कान बंद करें, पहली उंगली माथे पर तथा बाकी उंगलियां आंखों पर रखें। नाक से लंबा गहरा श्वास लें और भौंरे की तरह 'हम्म्...' की गूंज करते हुए धीरे-धीरे श्वास बाहर छोड़ें। आवाज और सांस पर अपना ध्यान रखें।

इसे अपनी क्षमता के अनुसार कुछ बार दोहराया जा सकता है। नियमित योग दिनचर्या में इसे शामिल करने से तनाव और चिंता को कम करने, मन को शांत रखने तथा एकाग्रता और विचारों में स्पष्टता लाने में मदद मिल सकती है। कुछ लोगों को यह अभ्यास मानसिक रूप से रिलैक्स महसूस कराने वाला भी लगता है। हालांकि, इसे करते समय शरीर पर जोर नहीं देना चाहिए।

हाई बीपी के मरीज इन 3 कारणों से पिएं नारियल पानी, बस जान लें कब और कितना लें

हाई बीपी में नारियल पानीः धीमे-धीमे जैसे हम गर्मियों की ओर बढ़ रहे हैं नारियल पानी पीना अच्छा लगने लगा है। ये शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और हाइड्रेट करता है। इसके अलावा नारियल पानी शरीर से टॉक्सिन को बाहर करता है और लिवर के काम काज को तेज करता है। इसके अलावा ये ब्लैडर की सफाई में भी मददगार है। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल ये है कि नारियल पानी पीना हाई बीपी की समस्या में (coconut water in high bp) कैसे फायदेमंद है। इसमें ऐसा क्या है जो कि धमनियों को साफ करने और खून के सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। अधिकांश लोगों को अपनी डाइट में पर्याप्त मात्रा में पोटेशियम नहीं मिलता है। यह खनिज आपके मूत्र के माध्यम से आपके शरीर से अतिरिक्त सोडियम को निकालने में मदद करता है। जब आप नारियल पानी पीते हैं तो ये हाई बीपी को कम करने में मदद कर सकता है। हाई बीपी की दिक्कत सोडियम बढ़ने से भी जुड़ा हुआ है। यानी कि शरीर में जब सोडियम बढ़ता है तो इससे दिल पर प्रेशर पड़ता है और बीपी हाई हो जाती है। ऐसे में जब आप नारियल पानी पीते हैं तो शरीर से सोडियम को फ्लश ऑउट करने में मदद मिलती है। इस प्रकार से आप नारियल पानी पीकर शरीर में सोडियम लेवल को मैनेज करने में मदद कर सकते हैं। धमनियों को साफ करने में नारियल पानी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है। ये असल में कोलेस्ट्रॉस फ्री है या कहें कि फैट फ्री है जो कि धमनियों को हेल्दी रखता है।

इस दाल का पानी वेट लॉस में मददगार, कब्ज के मरीजों के लिए भी है फायदेमंद

दाल का पानी पीना शरीर को एनर्जी देने वाला होता है। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि ये वजन घटाने में भी मदद कर सकता है। तो, आपको इस बारे में सोचना चाहिए। दरअसल, दाल डिटॉक्सीफाइंग एंजेंट की तरह भी काम करता है और शरीर में जमा गंदगी को डिटॉक्स करता है। इसके अलावा ये फाइबर की तरह भी काम करता है और फैट के पचाने की गति को तेज करता है। इस तरह ये वजन बढ़ने नहीं देता और आपको कई बीमारियों से बचाने में मददगार है। इसके अलावा भी दाल का पानी पीने के कई फायदे हैं। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। वजन घटाने के लिए आप हरी दाल का पानी (hari dal ka pani for weight loss benefits) पी सकते हैं। ये दाल वजन को तेजी से घटाने में मददगार है। इसके अलावा दाल का पानी पीना फैट मेटाबोलिज्म को तेज करता है और इसके तोड़ने की गति बढ़ा देता है। इससे हमारी आंत तेजी से फैट को पचाने लगती है और इसे शरीर में बढ़ने से रोकती है। इस प्रकार से ये मोटापा कम करने में मददगार है। हरी दाल का पानी कब्ज कम करने में मददगार है। ये असल में आंतों में पानी जोड़ता है और इसकी क्रिया को तेज करता है।

वजन घटाने वाला असरदार मैजिक ड्रिंक, सुबह खाली पेट पी लेंगे तो दोगुना हो जाएगा असर

वजन बढ़ाना जितना आसान है कम करना उतना ही मुश्किल हो जाता है। डाइट, एक्सरसाइज और बाहर का खाना-पीना छोड़ने के कई महीनों बाद शरीर पर फर्क दिखता है। सिटिंग जॉब्स ने मोटापे को बढ़ाने में और मदद की है। ऐसे में लोग फिटनेस और वजन को कंट्रोल करने के लिए न जाने क्या क्या करते हैं। कुछ लोग मोटापा कम करने के लिए घरेलू नुस्खे भी आजमाते हैं। दादी नानी की बताई ऐसी कई चीजें हैं जो आपके वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर देती हैं। हालांकि एक बात हमेशा याद रखें कि कोई भी चीज तुरंत असर नहीं दिखाती है। कड़ी मेहनत और महीनों के इंतजार के बाद ही फल मिलता है। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं तो हम आपको एक ऐसा मैजिक ड्रिंक बता रहे हैं जिससे आपका मोटापा जल्दी कम होने लगेगा। साथ ही इससे शरीर को कई फायदे भी मिलते हैं। जानिए क्या है ये मैजिक ड्रिंक और कैसे काम करता है। ये मैजिक ड्रिंक कुछ और नहीं बल्कि हींग का पानी है। हींग वाला पानी पीने से मोटापा तेजी से कम होता है। हींग में ऐसे तत्त्व पाए जाते हैं जो पेट और पाचन को मजबूत बनाते हैं। हींग में फाइबर, कार्बोहायड्रेट, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसलिए कहा जाता है कि हींग का पानी वेट लॉस में भी मदद करता है। हींग का पानी मेटाबोलिज्म को ठीक रखता है और मोटापा कम करता है। मेटाबॉलिज्म बढ़ाए- अगर आप सुबह हींग का पानी पीते हैं तो इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है। हींग का पानी पीने से शरीर में फुर्ती आ जाती है और इससे मोटापा कम करने में मदद मिलती है।

दूध में पकाकर खाएं कद्दू के बीज, जोड़ों में आएगी जान और इन लक्षणों से मिलेगा आराम

कद्दू के बीज के प्रति 100 ग्राम में 574 कैलोरी एनर्जी, 49 ग्राम फैट, 6.6 ग्राम फाइबर और 30 ग्राम प्रोटीन प्रदान करते हैं। इसके अलावा इस बीज में प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है जिसका सेवन शरीर को एनर्जी देने के साथ कई बीमारियों से बचा सकता है। इसके अलावा कद्दू के बीज में पॉलीअनसेचुरेटेड और मोनोअनसेचुरेटेड फैट होती है जो सेहत के लिए अच्छा है। लेकिन, आज हम जानेंगे कि कद्दू के बीजों को दूध में पकाकर खाने से (milk with pumpkin seed benefits for health) क्या फायद मिलते हैं। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। कद्दू के बीज को जब आप दूध के साथ लेते हैं तो ये कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और जिंक प्रदान करता है जो कि हड्डियों की सेहत के लिए फायदेमंद है। ये पोषक तत्व सामूहिक रूप से स्वस्थ हड्डियों के विकास, मजबूती और रखरखाव का समर्थन करते हैं, जिससे कद्दू के बीज का दूध हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से बचाव में मददगार हो जाता है। जैसे जोड़ों के दर्द और घुटने में सूजन। कद्दू के बीज में विटामिन ई और कैरोटीनॉयड सहित कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मुक्त कणों और ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ते हैं।

कूल्हों की जकड़न और तनाव दूर करेगा 'एका पाद राजकपोतासन'

प्राचीन भारतीय परंपरा में योग एक ऐसी प्रभावशाली पद्धति है, जो तन और मन के बीच संतुलन बनाने में मदद करता है। योग के इन्हीं आसनों में 'एका पाद राजकपोतासन' एक महत्वपूर्ण उन्नत आसन है, जो कूल्हों और जांघों की जकड़न दूर करने में मदद करता है। 'एका पाद राजकपोतासन' संस्कृत के 'एका पाद' (पैर), 'राज' (अर्थात 'श्रेष्ठ'), 'कपोत' (अर्थात कबूतर) और 'आसन' (अर्थात मुद्रा) से मिलकर बना है। यह आसन कूल्हों, जांघों के आगे वाले हिस्से और ग्लूट्स (यानी नितंबों), पैरों और घुटने-टखने के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, 'एका पाद राजकपोतासन' उन्नत स्तर का योगासन है, जो कूल्हों के जोड़ और रीढ़ को लचीला बनाने वाला बैकबेंड अभ्यास है। नियमित और सही विधि से इसका अभ्यास शरीर को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मन को एकाग्र और शांत रखने में भी सहायक हो सकता है। इसलिए योगाभ्यास में एका पाद राजकपोतासन का विशेष महत्व माना जाता है। यह आसन शरीर और मन का तालमेल बनाने में मदद करता है। आधुनिक जीवनशैली में जहां दफ्तर में घंटों बैठने से कूल्हों और रीढ़ की हड्डी में जो जकड़न हो जाती है, यह आसन उसे गहराई से मुक्त करने का काम करता है।

ओट्स और सत्तू के सेवन से कम करें हाई कोलेस्ट्रॉल, जानें सही तरीका और फायदे

शरीर में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना आपको बीमार कर सकता है। ये आपकी धमनियों में जमा होकर ब्लड सर्कुलेशन को प्रभावित कर सकता है और बीपी बढ़ा सकता है। इस वजह से धमनियों की सेहत पर भी असर होता है और ये लगातार इस प्रेशर को मैनेज नहीं कर पाती और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ऐसे में आपको हाई कोलेस्ट्रॉल से बचना चाहिए और इसके लिए आप इन दो चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो कि फाइबर और रफेज से भरपूर हैं। तो, आइए जानते हैं इन चीजों के बारे में विस्तार से। सत्तू और ओट्स बने इस ड्रिंक को आप हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या में (oats sattu for high cholesterol) आराम से पी सकते हैं। दरअसल, सत्तू और ओट्स का फाइबर आपके पाचन क्रिया को तेज करता है और फैट को पेट में ही पचाने का काम करता है। इसके अलावा इसका रफेज धमनियों में जमे कोलेस्ट्रॉल को अपने साथ बांध लाता है और इसे शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा हाई कोलेस्ट्रॉल में ओट्स और सत्तू से बना ये ड्रिंक इसलिए भी फायदेमंद है क्योंकि सत्तू शरीर को जहां फ्लश ऑउट करने में मदद करता है वहीं, ओट्स एक स्क्रबर की तरह काम करता है। इस प्रकार से ये दोनों मिलकर धमनियों में जमा गंदगी को साफ करने में मदद करता है। इससे ब्लॉकेज का खतरा कम होता है और ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है। तो, आपको करना ये है कि 2 चम्मच सत्तू में पानी मिलाना है और फिर इसमें 1 चम्मच ओट्स (how to have oats sattu for high cholesterol) मिलकार ग्राइंडर में चला लेना है। इसमें छोटा सा काला नमक और जीरा पाउडर मिला लें। फिर इन दोनों का एक ड्रिंक तैयार करें और फिर इसे पिएं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने पर इसका असर हृदय और रक्त वाहिकाओं की सेहत पर पड़ सकता है। खासतौर पर LDL यानी खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर अधिक होने पर धमनियों में प्लाक जमा होने का खतरा बढ़ सकता है, जिससे लंबे समय में हृदय रोग और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे में खान-पान और जीवनशैली में बदलाव कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं। इसी कड़ी में ओट्स और सत्तू से तैयार किया गया ड्रिंक डाइट में शामिल किया जा सकता है। दोनों में फाइबर पाया जाता है और ओट्स में मौजूद घुलनशील फाइबर, खासकर बीटा-ग्लूकान, LDL कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। ओट्स में मौजूद घुलनशील फाइबर पाचन तंत्र में कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को कम करने में मदद कर सकता है। नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में फाइबर लेने से हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभ मिल सकता है।

सिंगापुर के लिए उड़ी इंडिगो की फ्लाइट 2.5 घंटे में वापस लौटी, 127 यात्रियों के साथ क्या हुआ?

त्रिची। तमिलनाडु के त्रिची से सिंगापुर जा रही इंडिगो की फ्लाइट में उड़ान भरने के कुछ देर बाद तकनीकी खराबी आ गई। विमान में 127 यात्री सवार थे। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान करीब ढाई घंटे तक हवा में चक्कर लगाने के बाद रात करीब 9 बजे त्रिची इंटरनेशनल एयरपोर्ट लौट आया। यात्रियों को सिंगापुर पहुंचाने के लिए अब दूसरी फ्लाइट की व्यवस्था की गई है। बता दें कि IndiGo की यह फ्लाइट त्रिची एयरपोर्ट से शाम 6:40 बजे सिंगापुर के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी का पता चला। विमान में तकनीकी खराबी के बाद पायलट और एयरपोर्ट अधिकारियों के बीच लगातार संपर्क बना रहा और उसे सुरक्षित तरीके से वापस लाने की तैयारी शुरू की गई। इसके लिए प्लेन का फ्यूल कम किया गया, ताकि लैंडिंग के समय विमान का वजन सुरक्षित सीमा में हो। करीब 2.5 घंटे तक विमान के हवा में रहने के बाद रात करीब 9 बजे इसे त्रिची इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। एयरपोर्ट निदेशक गोपालकृष्णन ने बताया कि विमान में सवार सभी 127 यात्रियों को सिंगापुर ले जाने के लिए वैकल्पिक फ्लाइट की व्यवस्था कर दी गई है। तकनीकी खराबी की जानकारी मिलने के बाद विमान को तुरंत वापस नहीं उतारा गया। एयरपोर्ट अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहते हुए विमान ने करीब ढाई घंटे तक चक्कर लगाया। इस दौरान विमान का ईंधन कम किया गया, ताकि उसे सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट पर उतारा जा सके। इसके बाद विमान को त्रिची एयरपोर्ट वापस लाया गया। फिलहाल यह साफ नहीं किया गया है कि विमान में किस तरह की तकनीकी खराबी आई थी। यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है। बता दें कि इससे पहले गुरुवार को भी दिल्ली से मंगलुरु जा रही IndiGo की एक और फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण करीब 3 घंटे की देरी हुई। फ्लाइट 6E-6456 को दिल्ली के

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शाम 5:30 बजे उड़ान भरनी थी। लेकिन विमान के टैक्सी करते समय पायलट को Airbus A320 में तकनीकी खराबी का पता चला। पायलट ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को वापस बे पर ले जाने का फैसला किया। एक यात्री के मुताबिक, फ्लाइट पहले ही करीब 20 मिनट लेट थी।

शाम 5:50 बजे के बाद विमान को टैक्सी कराया गया, लेकिन करीब 8-10 मिनट तक धीरे-धीरे आगे बढ़ने के बाद विमान रुक गया और यात्री ने बताया कि करीब 5 मिनट बाद पायलट ने अनाउंसमेंट कर यात्रियों को बताया कि तकनीकी समस्या के कारण विमान को वापस बे पर लाया जा रहा है।

यात्री के मुताबिक, विमान के वापस बे पर आने के बाद उसका दरवाजा खोला गया। कुछ इंजीनियर विमान के अंदर पहुंचे और करीब 5-10 मिनट तक जांच की।

इसके बाद क्रू ने यात्रियों को विमान से उतरने के लिए कहा।

यात्रियों को बताया गया कि उनके लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की जा रही है।

फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट FlightRadar24 के मुताबिक, नया विमान मिलने के बाद फ्लाइट ने रात 8:28 बजे मंगलुरु के लिए उड़ान भरी। वापस बे पर आ गया।

वीकेंड पर उत्तराखंड जाने वाले लोग सावधान!

उत्तराखंड में देहरादून-मसूरी मार्ग पर कुठाल गेट से लगभग 5 किलोमीटर आगे एक भीषण भूस्खलन हुआ है, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा ढह गया है। इस हादसे के दौरान रास्ते में एक ट्रक फंस गया है, जिसके कारण मार्ग बेहद संकरा हो गया है और गाड़ियों की आवाजाही में भारी खतरा बना हुआ है। मसूरी जाने वाले यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे इस मुख्य मार्ग के बजाय 'हाथीपांव' वाले वैकल्पिक रास्ते का इस्तेमाल करें, ताकि किसी भी परेशानी और लंबे जाम से बचा जा सके। बता दें कि भूस्खलन के चलते सड़क पर लगभग 2 से 3 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है और गाड़ियां बेहद जोखिम उठाकर धीरे-धीरे निकल रही हैं। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंच चुकी है और ट्रैफिक को सुचारू रूप से खुलवाने व स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास एक तरफ से लगातार जारी हैं। लैंडस्लाइड के बाद का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहता हुआ नजर आ रहा है कि कुठाल गेट से करीब 5 किलोमीटर ऊपर ये लैंडस्लाइड हो गया है और यहां पर स्थिति ये है कि एक ट्रक फंसा हुआ है।

'कांग्रेस ने 1937 में तुष्टिकरण के लिए देश के विभाजन की नींव डाली'

गृहमंत्री अमित शाह ने वंदे मातरम से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही 1937 में तुष्टिकरण के लिए वंदे मातरम के दो हिस्से किए थे और देश के विभाजन की नींव डाली थी। देश एक बार वंदे मातरम को दो टुकड़ों में बंटने का असर देख चुका है और दोबारा ऐसा नहीं होने देगा। हालांकि, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस कार्यालय में पूरा वंदे मातरम बजाया गया था। इस दौरान सोनिया गांधी किसी बात से नाखुश दिखी थीं। बाद में कांग्रेस नेताओं ने सफाई देते हुए कहा कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मंगा रही थीं, क्योंकि वह बहुत देर से खड़े थे। इस घटना के चार दिन बाद ही कांग्रेस ने कहा कि उनके नेता वंदे मातरम के दो ही छंद गाएंगे। अमित शाह ने कहा, "कल कांग्रेस पार्टी की कार्य सममिति ने एक आश्चर्यजनक और देश विरोधी फैसला लिया है। उन्होंने अपनी पार्टी के 1937 के रिजोल्यूशन को फॉलो करते हुए महान वंदे मातरम गीत के दो ही छंद गाने का फैसला किया है। मैं इस समय पर पूरे देश को याद कराना चाहता हूं कि 1937 में कांग्रेस पार्टी ने मुस्लिम एपिसमेंट के लिए वंदे मातरम के दो टुकड़े कर देश के विभाजन की नींव डाली थी और वहीं से दो राष्ट्र के सिद्धांत को ताकत मिली थी और देश का विभाजन हुआ और पाकिस्तान का जन्म हुआ। गृहमंत्री ने कहा, "आज जब वो ऐतिहासिक गलती को वंदे मातरम के गीत के प्रागट्य के 150 वें साल में नरेंद्र मोदी सरकार ने सुधार कर बंकिम बाबू की यह अमर कृति को पूरा गीत गाकर राष्ट्रीय एकात्मता को फिर से एक बार सुदृढ़ करने का प्रयास किया है और सभी सरकारी फंक्शनंस में इसको पूर्ण रूपेण गाने का निर्णय किया है।

इस निर्णय को कानूनी जामा भी पहनाया है। इसकी अवहेलना करने का कांग्रेस ने कल निर्णय किया है। कांग्रेस का यह निर्णय केवल और केवल इनकी घोर तुष्टिकरण की नीति की पुष्टि करता है। वोट बैंक के तुष्टिकरण के लिए उन्होंने स्वर्गीय बंकिम बाबू के इस अमर कृति का न केवल अपमान किया है। उन लाखों शहीदों का भी अपमान किया है, जो वंदे मातरम का नारा लगाते लगाते देश की आजादी के लिए फांसी पर चढ़ गए। जिन्होंने कई साल जेल में काटे।" आज कांग्रेस पार्टी 1937 का अपनी पार्टी का रेजोल्यूशन मान रही है और पार्लियामेंट के एक्ट को नकार रही है। मुझे तो बड़ा आश्चर्य है। राहुल गांधी की नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी फिर एक बार इस देश में तुष्टिकरण की राजनीति को पुरजोर तरीके से आगे बढ़ा रही है। मैं देश की जनता को अपील करना चाहता हूं कि एक बार इस देश ने गलती करी थी वंदे मातरम के दो टुकड़े होने देने की और एक गलती के गंभीर परिणाम हमने भुगते हैं। अब देश की जनता एकजुट हो और कांग्रेस पार्टी के इस फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद करें।

'FIR दर्ज करिए, वरना मैं नहीं जाऊंगा', राहुल के धरने के बाद पैलेट गन मामले में केस दर्ज; BJP ने साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को घायल छात्र साहिल लोचब को साथ लेकर दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचे और पैलेट गन से घायल होने के मामले में अलग से FIR दर्ज करने की मांग पर अड़ गए। पुलिस के साथ लंबी बातचीत के बाद भी जब FIR दर्ज नहीं हुई तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी थाने में ही धरने पर बैठ गए। करीब 7 घंटे तक चले इस पूरे घटनाक्रम के बाद दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की। FIR की कॉपी मिलने के बाद राहुल गांधी धरने से उठे और इसे न्याय की दिशा में पहला कदम बताया। राहुल गांधी सुबह करीब 11 बजे साहिल लोचब और उसके परिवार के साथ घर से निकले। साहिल का दावा है कि 20 जुलाई को छात्रों के 'संसद चलो' मार्च के दौरान जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई में पैलेट गन के छर्रे लगने से वह घायल हुआ था। राहुल सबसे पहले मंदिर मार्ग थाने पहुंचे और साहिल की शिकायत पर FIR दर्ज करने की मांग की। वहां कोई बड़ा पुलिस अधिकारी मौजूद नहीं था। इसके बाद राहुल गांधी साहिल को लेकर संसद मार्ग थाने पहुंचे, जहां दिल्ली पुलिस के DCP सचिन शर्मा समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। राहुल ने पुलिस अधिकारियों को साहिल की मेडिकल रिपोर्ट भी दिखाई।

अखिलेश-मायावती समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट देने की कर रही तैयारी

यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार ने सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और बीएसपी सुप्रीमो मायावती समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट देने की तैयारी है। सुरक्षा मुख्यालय ने करीब 10 लाख रुपये की लागत से बुलेटप्रूफ जैकेट्स खरीदी हैं। योगी सरकार के 11 मंत्रियों को भी बुलेटप्रूफ जैकेट्स मिलेंगी। संजय निषाद और नंद गोपाल नंदी सहित कई मंत्रियों और नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट्स दी जाएंगी। बता दें कि सुरक्षा और खुफिया इनपुट को देखते हुए एहतियातन ये फैसला लिया गया है। Y श्रेणी से लेकर Z+ सुरक्षा वाले नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट्स दी जाएंगी। जान लें कि इस लिस्ट में संगीत सोम और सुरेश राणा को भी शामिल किया गया है और उन्हें बुलेटप्रूफ जैकेट के रूप में सुरक्षा कवच दिया जाएगा। मंत्री-विधायकों के अलावा दूसरे प्रमुख नेताओं को भी बुलेटप्रूफ जैकेट देने की व्यवस्था है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार का ये बड़ा एहतियाती कदम है। हालांकि, बुलेटप्रूफ जैकेट देने की वजह पर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। माना जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियों के मौजूदा सुरक्षा आकलन और इनपुट के आधार पर ही इस कदम को लिया गया है। खासतौर से जिन सियासी नेताओं को पहले से सिक्योरिटी मिली हुई है, उनकी सिक्योरिटी को लेकर अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बड़े नेताओं की जनसभाओं, रैलियों और चुनावी दौरों के दौरान सिक्योरिटी को लेकर खास सावधानी बरती जाती है। ऐसे में बुलेटप्रूफ जैकेट के इंतजाम को सिक्योरिटी सिस्टम को मजबूत करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले हाल ही में सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी में स्कूलों की दुर्दशा के आरोपों पर जवाब दिया था और बताया था 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत स्कूलों और स्टूडेंट्स को क्या-क्या दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा मुख्यालय ने करीब 10 लाख रुपये की लागत से विशेष बुलेटप्रूफ जैकेट्स की खरीद पूरी कर ली है। ऐसे में नेताओं की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त इंतजाम किए जाते हैं।

जज बनने की तैयारी करने वालों के लिए खुशखबरी! परीक्षा के लिए अब चाहिए होगा सिर्फ 1 साल वकालत का अनुभव

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सेवा की प्रवेश स्तरीय परीक्षा के लिए वकालत का अनिवार्य 3 साल का एक्सपीरियंस घटाकर 1 साल कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आज (शुक्रवार को) मई 2025 के अपने निर्णय में संशोधन करते हुए न्यायिक सेवा की प्रवेश स्तरीय परीक्षा में शामिल होने के लिए वकालत के अनिवार्य अनुभव को 3 साल से घटाकर 1 साल कर दिया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और जस्टिस ए. जी. मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने 2:1 के बहुमत से दिए गए फैसले में कहा कि हालांकि सिलेक्ट होने वाले कैंडिडेट्स को न्यायिक अकादमी में प्रशिक्षण लेना होगा। इसके बाद एक साल का अतिरिक्त न्यायिक प्रशिक्षण (क्लर्कशिप) लेना होगा। बता दें कि पिछले साल 20 मई को भारत के तत्कालीन सीजेआई बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने कानून से स्नातक की पढ़ाई करने वाले नए स्टूडेंट्स को न्यायिक सेवा की प्रवेश स्तरीय परीक्षा में बैठने से रोक दिया था और इसके लिए कम से कम 3 साल के वकालत के एक्सपीरियंस की शर्त तय की थी।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच ने 2:1 के बहुमत वाले मई 2025 के निर्णय में बदलाव किया। बेंच ने न्यायिक अधिकारी बनने की इच्छा रखने वाले कानून से स्नातक होने वाले स्टूडेंट्स को अनिवार्य रूप से 3 साल तक वकालत करने की शर्त में ढील देकर राहत दी है। बेंच ने कहा, '3 साल की वकालत की अनिवार्यता के बावजूद, सभी कानून के स्नातक आवेदन करने के पात्र होंगे। चूंकि जिस निर्णय की समीक्षा की जा रही है, उसके सुनाए जाने के बाद 1 वर्ष से ज्यादा का समय बीत चुका है, इसलिए आवेदन के वक्त ऐसे अभ्यर्थियों के बारे में यह माना जाएगा कि वे 1 साल की सक्रिय वकालत पूरी कर चुके हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उक्त मानी गई अवधि के सपोर्ट में उन्हें अलग से वकालत का प्रमाणपत्र पेश करने की जरूरत नहीं होगी।

ऐसे कैंडिडेट्स को चयन के बाद 1 साल के लिए सिर्फ प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया जाएगा और इसके बाद उन्हें एक साल का निर्धारित न्यायिक प्रशिक्षण लेना होगा।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इस प्रकार की ट्रेनिंग की अवधि के दौरान प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों को तय मानदेय भी दिया जाएगा, जो संबंधित राज्य में प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट को दिए जाने वाले पारिश्रमिक का आधा होगा।

इसके अलावा वे संबंधित राज्य Judicial Academy में प्रशिक्षुओं को आम तौर पर उपलब्ध करवाई जाने वाली सुविधाओं और अन्य लाभों के भी हकदार होंगे। बेंच ने आगे कहा कि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारियों को 1 साल की 'लॉ क्लर्कशिप' भी करनी होगी। इस अवधि के पहले 6 महीने प्रधान जिला न्यायाधीश या जिला एवं सत्र न्यायाधीश या उच्च न्यायिक सेवा के सदस्यों की निगरानी में 'लॉ क्लर्क' के तौर पर बिताने होंगे, जबकि बाकी 6 महीने संबंधित उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश की निगरानी में बिताने होंगे।

इससे पहले हाल ही में UGC के नियमों पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि हम इस पर फिर से विचार कर रहे हैं। अभी ये मामला सर्वोच्च अदालत में लंबित है।

2024 संभल हिंसा के मास्टरमाइंड शारिक साठा के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी

उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर, 2024 को हुई हिंसा के कथित मास्टरमाइंड, भगोड़े गैंगस्टर शारिक साठा के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। संभल के पुलिस अधीक्षक (जो अब बिजनौर के एसपी हैं) कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शुक्रवार को बताया कि 24 नवंबर, 2024 की हिंसा के मास्टरमाइंड साठा को पहले एक अदालत ने भगोड़ा अपराधी घोषित किया था, और उसकी संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई शुरू की गई थी। जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद, उत्तर प्रदेश पुलिस ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन से अनुरोध किया था कि वह इंटरपोल से उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाए। साठा जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल करके दुबई भाग गया था और उसके परिवार के सदस्य अक्सर वहां जाते रहे हैं। पुलिस ने उस पर कड़ी नजर रखी और सीबीआई को एक डिटेल्ड डॉजियर दिया, जिसने बाद में इंटरपोल के साथ मिलकर रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाया। कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि अब उसे गिरफ्तार करने और जिस भी देश में वह है, वहां से एक्सट्रैडिटेड करने की कोशिश की जाएगी, ताकि 24 नवंबर, 2024 की घटना के साथ-साथ उसके खिलाफ पहले से दर्ज 55 से 60 दूसरे क्रिमिनल केस के लिए भी उस पर कानूनी कार्रवाई हो सके।

चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा फैसला, मायावती-अखिलेश समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार ने प्रमुख नेताओं की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। सुरक्षा समीक्षा और खुफिया इनपुट के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और अखिलेश यादव समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट उपलब्ध कराई जाएगी। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा मुख्यालय ने करीब 10 लाख रुपए की लागत से विशेष जैकेट की खरीद प्रक्रिया पूरी कर ली है। इनमें 11 मंत्री, विभिन्न दलों के नेता और चुनिंदा विधायक शामिल हैं। वाई से लेकर जेड प्लस सुरक्षा प्राप्त नेताओं को सुरक्षा जरूरत के आधार पर जैकेट दी जाएगी। आगामी चुनाव के दौरान रैलियों, जनसभाओं और रोड शो में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यह कदम एहतियाती तौर पर उठाया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट के आधार पर जैकेट देने का फैसला किया गया है। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए योगी सरकार ने प्रमुख राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने का फैसला किया है। सुरक्षा समीक्षा और खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और अखिलेश यादव समेत 44 नेताओं को बुलेटप्रूफ जैकेट उपलब्ध कराई जाएगी। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा मुख्यालय की ओर से करीब 10 लाख रुपए की लागत से विशेष सुरक्षा जैकेटों की खरीद प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बढ़ाए जाने वाले नेताओं में करीब 11 मंत्री भी शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415